हरिभूमि

महेन्द्रगढ़-नारनौल भूमि

रोहतक, सोमवार, 18 अगस्त 2025

11 जन्माष्टमी मेले में 21 हजार की इनामी कुश्ती गोलू...

12 अतिक्रमण के कारण दिन-प्रतिदिन सिकुड़ती जा...

खबर संक्षेप

व्यापार मंडल पदाधिकारियों की घोषणा आज

नारनौल। जिला व्यापार मंडल की ओर से 18 अगस्त को निजी होटल में दोपहर 12:15 बजे प्रेस कॉन्फ्रेंस का आयोजन किया गया है। जिसमें जिला व्यापार मंडल के पदाधिकारी को नियुक्ति पत्र वितरित किए जाएंगे। प्रेस को जारी एक विज्ञप्ति में उक्त जानकारी देते हुए जिला व्यापार मंडल के वरिष्ठ महामंत्री सुरेंद्र चौधरी ने बताया कि हरियाणा व्यापार मंडल के प्रदेश अध्यक्ष विजय लक्ष्मीचंद गुप्ता ने व्यापारी नेता वैद्यकिशन वशिष्ठ को जिला अध्यक्ष पद पर नियुक्त किया था, वही सुरेंद्र चौधरी को जिले का वरिष्ठ महामंत्री बनाया गया था। उन्होंने बताया कि जिला अध्यक्ष वैद्यकिशन वशिष्ठ की ओर से जिले के विभिन्न व्यापार मंडल के विभिन्न पदों पर व्यापारियों के लिए कार्य करने वाले व्यापारी नेताओं को 18 अगस्त नियुक्ति पत्र सौंपे जाएंगे।

स्वास्थ्य मंत्री आज सुनेंगी समस्याएं

नारनौल। स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव 18 अगस्त को कनीना क्षेत्र के दो गांवों में जनसभा करेंगी और कनीना शहर की आरएस वाटिका में आम नागरिकों की जन समस्याएं सुनेंगी। यह जानकारी देते हुए सरकारी प्रवक्ता ने बताया कि सबसे पहले स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव सुबह नौ बजे गांव गाहडा में जनसभा को संबोधित करेंगी। इसके बाद लगभग 10 बजे वह गांव सीहोर में एक दूसरी जनसभा को संबोधित करेंगी। इस अवसर पर भी वे ग्रामीणों से संवाद करेंगी। उन्होंने बताया कि इन दोनों जनसभाओं के बाद लगभग 11 बजे स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव कनीना शहर की आरएस वाटिका में आम नागरिकों की जन समस्याएं सुनेंगी।

महेंद्रगढ़। गोशाला में मौजूद परिवार के सदस्य। फोटो : हरिभूमि

परिवार की खुशहाली के लिए लगाई सवामणी

महेंद्रगढ़। स्थानीय श्री गोशाला धोलपोश आश्रम में सत्यनारायण पुत्र छैलूराम निवासी माजरा कलां ने जन्माष्टमी पर्व पर परिवार की सुख समृद्धि के लिए सवामणी का आयोजन कर गायों को चाट खिलाई। गोशाला धोलपोश प्रधान रविन्द्र तिवाड़ी ने कहा कि गौ सेवा से बड़ा कोई धर्म नहीं है। उन्होंने कहा कि हमारे हिंदू शास्त्रों के अनुसार गो-सेवा सबसे बड़ा धर्म है, जो व्यक्ति सच्चे मन से गो-सेवा करता है। वह अपने जीवन में कभी संकटों का सामना नहीं करता है।

क्रैशरों की चक्की के होद पर सुरक्षा के नहीं प्रबंध

धौलेड़ा जोन के क्रैशरों पर सेफ्टी नियमों का पालन करने में संचालक कर रहे आनाकानी, मजदूरों के लिए जानलेवा हादसों का बढ़ा खतरा

हरिभूमि न्यूज ⏭ नांगल चौधरी

धौलेड़ा बिगोपुर जोन में 90 से अधिक क्रैशर संचालित हैं, अधिकतर पर विभागीय मापदंड पूरे नहीं। चक्की के होद पर जाल व फेनबेल्टों पर कवर तक नहीं, जिनकी चपेट में आने से कई जानलेवा हादसे हो चुके। अधिकतर हादसों की इत्तफाकिया कार्रवाई करके केसों को डिस्पोज भी कर दिया गया है। अब जोन में स्थापित शक्ति क्रैशर संचालक की ओर से बरती जा रही अनियमितताओं से ग्रामीण आक्रोशित हैं। ग्रामीणों का आरोप है कि क्रैशर संचालक ने वॉल बाउंड्री निर्माण तक नहीं कराया तथा पत्थरों की पिसाई करना आरंभ कर दिया। क्रैशर से उड़ने वाली धूल ने

नांगल चौधरी। धौलेड़ा जोन में स्थापित क्रैशर बिना वॉल बाउंड्री के चलता हुआ।

करीब पांच गांवों का वातावरण प्रदूषित कर दिया। जिससे आक्रोशित ग्रामीणों ने क्रैशर के मापदंडों का निरीक्षण तथा कार्रवाई करने की गुहार लगाई है।

आपको बता दें कि 20 साल पहले धौलेड़ा, बिगोपुर गांव के पास क्रैशर जोन स्थापित किया गया था। क्रैशरों को एनओसी रिलीज करने से पहले प्रशासन ने प्रदूषण के मानक पूरे करने, पौधारोपण, सुरक्षा के उपकरण, संबंधित गांवों के विकास में योगदान तथा कन्वेयर पर पानी छिड़काव के साथ क्रैशर चलाने का शपथ पत्र लिए थे। प्रदूषण, विकास तथा सुरक्षा की गारंटी मिलने के बाद पंचायतों ने एनओसी रिलीज कर दी, लेकिन क्रैशर पर पिसाई का काम शुरू होते ही संचालकों ने शपथ पत्रों की शर्तों को भुला दिया। पत्थर पिसाई के होद पर सुरक्षा के प्रबंध तक नहीं जहां दर्जनों मजदूरों को दौड़. ड़ कर काम करना होता है। इतना ही नहीं अधिकांश क्रैशर संचालक कन्वेयर पर पानी का छिड़काव भी नहीं करते। मशीनों के पंखों की हवा से उड़ी हुई धूल आसपास के गांवों तक पहुंचनी आरंभ हो गई। धौलेड़ा, बिगोपुर, मेघोत बींजा, खातोली जाट, खातोली अहीर, बखरीजा समेत लगभग 15 गांवों की आबादी प्रदूषित वातावरण में सांस लेने को मजबूर है। डस्ट के प्रभाव से गांवों में टीबी, आंख, अस्थमा, एलर्जी जैसी गंभीर बीमारी फैलने लगी है। हालांकि बचाव के लिए क्रैशर संचालकों ने गांवों में हेल्थ चेकअप व उपचार शिविर लगाने का आश्वासन शपथ पत्र के माध्यम से प्रशासन को दिया था, लेकिन अभी तक अधिकतर संचालकों ने एक भी गांव में चिकित्सा कैंप नहीं लगाया, न ही पौधारोपण में कोई योगदान किया। जिस कारण क्रैशर जोन के आसपास वायु की गुणवत्ता 550 के आसपास होने का अंदेशा है। क्रैशर जोन में विभाग के निर्धारित नियम तथा प्रशासनिक सख्ती बेअसर बनी हुई है।

वॉल बाउंड्री का निर्माण तक नहीं, रिलीज कर दी एनओसी

धौलेड़ा बिगोपुर जोन में शक्ति क्रैशर खुला है, जिसकी अभी तक वॉल बाउंड्री तक कंप्लीट नहीं हुई। इससे पहले प्रशासन ने विभिन्न एनओसी रिलीज कर दी और संचालक ने पत्थरों की पिसाई करना शुरू भी कर दिया। क्रैशर की डस्ट धौलेड़ा, बिगोपुर, बखरीजा गांव तक वातावरण को प्रदूषित कर रही है। जिससे प्रशासनिक अधिकारी व प्रदूषण कंट्रोल बोर्ड अवगत है, बावजूद कार्रवाई नहीं होने से गांव में पैसों के लेनदेन की चर्चाएं तेज होने लगी हैं।

होद में गिरने व कन्वेयर में फंसने से हो चुके जानलेवा हादसे

धौलेड़ा क्रैशर जोन की अनियमिताएं जानलेवा स्थिति तक पहुंच गई है। यहां विभिन्न क्रैशरों पर काम करने वाले लगभग 40 श्रमिकों की मौत हो चुकी है, ज्यादातर हादसे होद में गिरने या कन्वेयर में फंसने से हुई है। मापदंडों को छुपाने के मकसद से अधिकांश जानलेवा हादसों को पैसों का लेनदेन करके दबा दिए जाने क चर्चाएं हैं। क्रैशर संचालकों को डर रहता है कि प्रशासनिक अधिकारी जोन में आएंगे, तो मापदंडों की धांधली का भंडाफोड़ हो जाएगा।

अनफिट क्रैशरों को सूचीबद्ध करके करेंगे कार्रवाई

प्रदूषण कट्रोल बोर्ड के एसडीओ अनुज नारवाल ने बताया कि संचालकों ने निर्धारित मापदंडानुसार ही क्रैशर चलाने की अनुमति है। कारणवश धौलेड़ा जोन का निरीक्षण किए लंबा समय बीत गया। जल्द ही औचक छापमारी करके मापदंडों पर अनफिट क्रैशरों को सूचीबद्ध किया जाएगा। जिनके लाइसेंस कैंसिल करने की कार्रवाई करेंगे। उन्होंने बताया कि क्रैशरों पर सुरक्षा के व्यापक प्रबंध होने अनिवार्य हैं, ताकि श्रमिकों का जीवन सुरक्षित बना रहे।

मरीजों को अब केवल प्रात:कालीन शिफ्ट में ही मिल रही सुविधा

इस्तीफे के बाद नागरिक अस्पताल में एक ही शिफ्ट में किए जा रहे अल्ट्रासाउंड

नागरिक अस्पताल में अल्ट्रासाउंड की सुविधा समय पर नहीं मिलने की सूरत में प्राइवेट अल्ट्रासाउंड केंद्रों पर मरीजों को कटवानी पड़ रही जेब

नारनौल। जिला नागरिक अस्पताल में बना अल्ट्रासाउंड केंद्र। फोटो : हरिभूमि

- अल्ट्रासाउंड एक ही शिफ्ट में होने से राउंड ओ क्लॉक अस्पताल आने वाले मरीजों को होने लगी परेशानी

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारनौल

नागरिक अस्पताल की अल्ट्रासाउंड सेवाओं में एकबार फिर से कटौती कर दी गई है। पहले जहां सुबह एवं शाम की दो शिफ्टों में अल्ट्रासाउंड की सुविधा मिलती थी, वहीं मरीजों को अब केवल प्रातःकालीन शिफ्ट में ही यह सुविधा मिल रही है। ऐसी स्थिति अल्ट्रासाउंड विशेषज्ञ डा. नीतू के इस्तीफे के बाद उत्पन्न हुई है। ऐसे में जिला नागरिक अस्पताल आए मरीजों को एकबार फिर से परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

उल्लेखनीय है कि जिला नागरिक अस्पताल में अल्ट्रासाउंड विशेषज्ञों की कमी लंबे समय से बनी रही है, लेकिन बीच में डा. नीतू के नारनौल ज्वाइन करने से यह समस्या काफी हद तक दूर हो गई थी, क्योंकि नागरिक अस्पताल में एक विशेषज्ञ की बजाए दो अल्ट्रासाउंड विशेषज्ञ उपलब्ध हो गए थे। इस कारण दोनों की ड्यूटी प्रातःकालीन एवं सायंकालीन शिफ्टों में लगा दी गई थी। इससे सरकारी अस्पताल आए मरीजों को काफी राहत मिली थी, क्योंकि डा. नीतू के आने से पहले नागरिक अस्पताल में केवल एक ही अल्ट्रासाउंड विशेष डा. धर्मेंद्र सांगवान रह गए थे, जिनके पास अल्ट्रासाउंड कराने आए मरीजों की भीड़ रहने लगी थी। एक ही सीट होने के कारण अल्ट्रासाउंड केंद्र आए मरीजों को एक-एक माह लंबी तारीख दी जाने लगी थी, जो कई बार सुर्खियां भी बनी, लेकिन डा. नीतू के आगमन से कोर्ट की तारीखों की तरह देने की परेशानी खत्म हो गई थी, जो अब पुनः उपज आई है।

नागरिक अस्पताल में 24 घंटे स्वास्थ्य सेवाएं जारी रहती हैं और यहां का नागरिक अस्पताल जच्चा-बच्चा यानि डिलीवरी के मामलों में काफी मशहूर है। प्रदेश का यही वह एकमात्र अस्पताल है, जहां सर्वाधिक डिलीवरी कराने का रिकार्ड बनता रहता है। डिलीवरी केस ज्यादा आने के कारण गर्भवती महिलाओं को अक्सर अल्ट्रासाउंड की आवश्यकता होती है। यदि प्रातःकालीन शिफ्ट की बजाए मरीज शाम या रात्रि को अस्पताल पहुंच जाए तो उसे अल्ट्रासाउंड की सुविधा मिलने की कम ही संभावना रहती है। यदि डाक्टर उपलब्ध न हो तो मरीज को बाहर प्राइवेट में अल्ट्रासाउंड की सुविधा लेनी पड़ सकती हैं। प्रधानमंत्री मातृत्व सुरक्षा योजना के तहत यदि कोई गर्भवती महिला नागरिक अस्पताल आती है और उसे अल्ट्रासाउंड की आवश्यकता होती है तो वह पैनल में शामिल प्राइवेट अस्पताल से भी अल्ट्रासाउंड करवा सकती हैं। बशर्ते वह नागरिक अस्पताल से रेफर की गई हो। रेफर करने की सूरत में ही उसे पैनल में शामिल प्राइवेट अस्पताल में अल्ट्रासाउंड के रुपये नहीं देने होंगे, अन्यथा उसको अल्ट्रासाउंड का शुल्क अदा करना होगा, जो लगभग 600-800 रुपये होता है।

डा. नीतू ने दे दिया इस्तीफा

अल्ट्रासाउंड विशेषज्ञ डा. नीतू ने अपने पद से एक माह पहले ही इस्तीफा दे दिया था, जो एक माह के नोटिस पर दिया गया था तथा अब उन्होंने एक माह का नोटिस पीरियड पूरा होने के बाद ड्यूटी देना छोड़ दिया है। अब वह अस्पताल नहीं आती हैं। इस कारण अल्ट्रासाउंड मशीन संचालन के लिए केवल अकेले डा. धर्मेंद्र सांगवान ही शेष रह गए हैं, जिस कारण अब पहले जैसी स्थिति बन गई है। सूत्र बताते हैं कि डा. नीतू सरकारी सेवा के बीच में ही शैक्षणिक अवकाश लेकर पीजी कोर्स करने गई हुई थी। जब पीजी पूरी हुई तो वह वापस लौट आई। पहले उनकी ड्यूटी कनीना पीएचसी में लगी हुई थी, लेकिन पीजी के बाद उन्होंने नागरिक अस्पताल नारनौल में ज्वाइन कर लिया था और यहीं पर अल्ट्रासाउंड विशेषज्ञ यानि रेडियोलॉजिस्ट के रूप में सेवाएं देने लगी थी। उनके आने के कारण ही नारनौल अस्पताल में दो शिफ्टों में मरीजों को अल्ट्रासाउंड की सुविधा मिलने लगी थी।

अब एक दिन में किए जा रहे 70-80 अल्ट्रासाउंड

डा. नीतू के इस्तीफे के बाद से अल्ट्रासाउंड केंद्र पर एक ही शिफ्ट में अधिकत्तम मरीज निपटाने का दबाव बढ़ गया है। पहले जहां एक ही शिफ्ट में महज 30 अल्ट्रासाउंड किए जा रहे थे, वहीं अब एक शिफ्ट में 70-80 अल्ट्रासाउंड किए जा रहे हैं। ऐसे में स्पष्ट है कि दबाव दोगुने से भी ज्यादा बढ़ गया है।

मरीजों की परेशानी

सरकारी अस्पताल में अल्ट्रासाउंड सेवाओं में कटौती के कारण मरीजों को निजी केंद्रों में जाकर पैसे देकर अल्ट्रासाउंड करवाना पड़ रहा है। इससे मरीजों पर आर्थिक बोझ बढ़ रहा है, जो उनके लिए काफी परेशानी का सबब बन रहा है। अल्ट्रासाउंड सेवाओं में कटौती से स्वास्थ्य सेवाओं पर भी नकारात्मक प्रभाव पड़ रहा है, जिससे मरीजों को समय पर उचित इलाज नहीं मिल पा रहा है।

यह बोले चिकित्साधिकारी

नागरिक अस्पताल में डिप्टी मेडिकल सुपरीडेंट डा. विजय सिंह डबास ने बताया कि पहले दो रेडियोलॉजिस्ट थे, तब दो शिफ्टों में अल्ट्रासाउंड का कार्य किया जा रहा था, लेकिन डा. नीतू के इस्तीफा देने के बाद एक ही प्रातःकालीन शिफ्ट में यह कार्य किया जा रहा है। नई व्यवस्था बनने में समय लगता है। हालांकि हमने और स्टाफ की डिमांड उच्चाधिकारियों से की हुई है, लेकिन इतना जरूर है कि अस्पताल आए मरीजों को अब पहले की तरह डेट नहीं दी जा रही और उन्हें हाथोंहाथ निपटाया जा रहा है। कोई केस पेंडिंग नहीं रखते हैं। एक दिन में लगभग 70-80 अल्ट्रासाउंड किए जा रहे हैं। एमरजेंसी में भी डा. धर्मेंद्र को फोन कॉल के बुला लिया जाता है। इसके अलावा पीएम मातृत्व सुरक्षा योजना के पैनल में शामिल प्राइवेट अस्पतालों से भी अल्ट्रासाउंड की सुविधा ली जा रही है।

चोरों ने बंद मकान को बनाया निशाना

- अब नेशनल के लिए होगी महाराष्ट्र रवाना, अकादमी में हुआ भव्य सम्मान समारोह

हरिभूमि न्यूज ⏭ महेंद्रगढ़

चोरों ने एक बंद मकान को अपना निशाना बनाकर वहां से लाखों रुपये के सोने-चांदी के जेवरात तथा करीब 56 हजार रुपये कैश चुरा लिया। मकान मालिक जम्मू सेंट्रल यूनिवर्सिटी के प्रोफेसर के भाई ने पुलिस को शिकायत दी है। सदर थाना में पुलिस को दी शिकायत में गांव सीगड़ा के रहने वाले बाल किशन ने बताया कि उसका छोटा भाई अरुण यादव सेंट्रल यूनिवर्सिटी जम्मू में प्रोफेसर के पद पर कार्यरत है। उसने गांव में उत्तर दिशा में मुख्य सड़क पर मकान बना रखा है। बीती रात को नामालूम चोर दीवार फांदकर घर के अंदर घुस गए। जिसके बाद उन्होंने मकान के मुख्य गेट का ताला तोड़कर अंदर आ गए। किशन ने बताया कि चोरों ने एक कमरे में रखी अलमारी का ताला तोड़कर उसमें रखे दो छोटे सूटकेस व सोने-चांदी के जेवर चुरा लिए। इनमें एक जोड़ी टोपस सोने के, दो सोने की अंगूठी, एक सोने की चेन, एक सेमसंग का टेब चोरी कर ले गए। वहीं सूटकेस के अंदर जमीन के डॉक्यूमेंट व अन्य जरूरी सामान था। इसके अलावा चोर 56 हजार रुपये कैश तथा एक किलो चांदी के बिस्किट भी चुरा ले गए। इसके अलावा तीन अन्य कमरों में सारा

नांगल चौधरी। स्वास्थ्य विभाग के कर्मचारी सुभाष को उत्कृष्ट सेवाएं देने पर सम्मानित करते मंडलायुक्त। फोटो : हरिभूमि

स्वतंत्रता समारोह का निमंत्रण नहीं मिलने पर नपा पार्षदों ने जताया रोष

हरिभूमि न्यूज ⏭ नांगल चौधरी

स्वतंत्रता समारोह कमेटी ने नपा के पार्षदों को आमंत्रित नहीं किया। जिससे आक्रोशित पार्षदों ने नाराजगी जताई व पंचायत समिति के प्रांगण में स्थित अंबेडकर भवन पर मुख्यातिथि राधेश्याम शर्मा ने ध्वजारोहण किया। इस कार्यक्रम में वाइस चेयरमैन मुकेश शर्मा, रमेश सैनी, पार्षद विकास शर्मा, कंवर सिंह जाखड़, धर्मबीर, बंटी भार्गव, देवेंद्र नंबरदार, रिंकू सैनी, धर्मेंद्र मटरू, छविकांत सैनी मौजूद रहे। वहीं कार्यक्रम के दौरान गुरुग्राम मंडल के आयुक्त रमेशचंद बिढाण ने स्वास्थ्य विभाग के कर्मचारी सुभाष को उत्कृष्ट सेवाएं देने पर सम्मानित किया।

कनीना। कार्यक्रम में संबोधित करती मंत्री आरती राव। फोटो : हरिभूमि

रातां में बाबा हनुमान का मेला कल

मंडी अटेली। अटेली क्षेत्र के गांव राता में बाबा हनुमान जी का मेला कल 19 अगस्त को आयोजित किया जा रहा है। इस मेले में विभिन्न प्रकार के खेल प्रतियोगिताएं होंगी। जानकारी देते हुए सरपंच प्रतिनिधि बेदू रातां ने बताया कि वॉलीबॉल में प्रथम विजेता टीम को 51 हजार व द्वितीय को 41 हजार रुपये का नगद पुरस्कार दिया जाएगा।

भूषण मंडल ने शहीदों के सम्मान में निकाली तिरंगा यात्रा

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारनौल

शहीदों के सम्मान में रविवार के भूषण मंडल में तिरंगा यात्रा का आयोजन किया गया, जिसकी अध्यक्षता मंडल अध्यक्ष मनोज कुमार ने की। इस मौके पर पूर्व मंत्री एवं विधायक ओमप्रकाश यादव मुख्यातिथि थे। भाजपा जिलाध्यक्ष यतेंद्र राव की मौजूदगी में यह यात्रा कादीपुरी चौक से शुरू होकर सैकड़ों की संख्या में मोटरसाइकिलों व गाडिय़ों के काफिले के साथ भारत माता के जयघोष के नारे लगाते हुए नौरंगपुरा में शहीद जोगेंद्र सिंह स्मारक पर शहीद प्रतिमा पर पुष्प अर्पित किए और यात्रा शोभापुर होते हुए भूषण गांव में अमर शहीद रणबीर सिंह स्मारक पर पुष्प अर्पित करने उपरांत संपन्न हुई। यात्रा के संयोजक विद्या सागर ने सभी अतिथियों का फूल-मालाओं तथा पगड़ी से स्वागत किया। इस मौके पर प्रवीण चेयरमैन, सुरेश पटीकरा, महेंद्र सिंह, विकास एडवोकेट, डा. राजेंद्र सैनी, राजकुमार सरपंच, रिंकू सरपंच, राकेश सरपंच, जितेंद्र सरपंच, राजेंद्र सरपंच, विकास सरपंच, अर्जुन सैन, अरिंद्र, केएल, मुंशी, रमेश, रामनिवास नंबरदार, वैभव यादव, प्रभाती लाल बौहरा व प्रेम सरपंच आदि मौजूद रहे।

नारनौल। विधायक ओमप्रकाश यादव का सम्मान करते हुए। फोटो : हरिभूमि

अटेली हलके में नहीं रहने दी जाएगी विकास कार्यों की कमी : आरती

हरिभूमि न्यूज ⏭ कनीना

अटेली हलके में विकास कार्यों की कोई कमी नहीं रहने दी जाएगी। ये बात प्रदेश की स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव ने जन्माष्टमी के अवसर पर कनीना में आयोजित सभा में कही। राव ने लोगों को पर्व की बधाई देते हुए कहा कि हलके की जनता को जब भी कोई आवश्यकता होगी, तो वे खड़ी मिलेगी। उन्होंने कहा कि हरियाणा में भाजपा की सरकार बनाने में दक्षिण हरियाणा ने हवा बनाई थी, जो पूरे प्रदेश में चली और तीसरी बार हरियाणा में भाजपा की सरकार बनी। यह बात वह आरंभ से कहती आ रही है। उन्होंने कनीना में नीचे जमीन पर रखे गए बिजली के ट्रांसफार्मर को उचित स्थान पर रखवाने का आश्वासन दिया। शहर के विकास कार्य को गति देने के लिए उन्होंने नगर पार्षदों के साथ बैठक कर विस्तार पूर्वक चर्चा की। इस मौके पर नगर पार्षद दीपक चौधरी, सुरेश वशिष्ठ, नगर पार्षद सवाई सिंह, मुकेश नंबरदार, पंचायत समिति अध्यक्ष जयप्रकाश ककराला, महेंद्र सरपंच, कृष्ण सिंह सरपंच, अमरजीत यादव, नरेंद्र सिंह, राजेंद्र सिंह, वीरेंद्र मंडल अध्यक्ष रहे।

प्रवेश प्रक्रिया — कॉलेज में शेष सीटों पर फिजिकल काउंसलिंग, विद्यार्थी दस्तावेज सहित उपस्थित हों

राजकीय महाविद्यालय में पीजी प्रथम वर्ष में प्रवेश का अंतिम अवसर 18-19 तक

- यूजी व पीजी प्रवेश प्रक्रिया जारी, विद्यार्थियों को हार्ड कॉपी समय पर जमा करने के निर्देश

हरिभूमि न्यूज ⏭ महेंद्रगढ़

महेंद्रगढ़। महाविद्यालय का मुख्यद्वार। फोटो : हरिभूमि

राजकीय महाविद्यालय की प्राचार्य एवं जिला उच्चतर शिक्षा अधिकारी प्रो. (डॉ.) पूर्ण प्रभा ने बताया कि स्नातकोत्तर प्रथम वर्ष में प्रवेश लेने का मौका अब भी उपलब्ध है। महाविद्यालय की शेष सीटों पर फिजिकल काउंसलिंग के माध्यम से विद्यार्थियों को प्रवेश का अंतिम अवसर प्रदान किया जा रहा है। यह काउंसलिंग 18 एवं 19 अगस्त को प्रातः 9:30 बजे से दोपहर 1:30 बजे तक महाविद्यालय परिसर में आयोजित होगी। ऐसे विद्यार्थी, जिन्होंने पूर्व में आनलाइन आवेदन किया था, लेकिन प्रवेश नहीं ले पाए, स्वयं उपस्थित होकर संबंधित प्रवेश समिति से संपर्क कर सकते हैं। अभ्यर्थियों को आवेदन पत्र की प्रति, शैक्षणिक प्रमाण पत्र, जाति प्रमाण पत्र, आय प्रमाण पत्र तथा हाल ही के पासपोर्ट आकार के फोटो सहित सभी आवश्यक मूल दस्तावेज साथ लाना अनिवार्य होगा। प्राचार्य ने बताया कि यूजी कक्षाओं में प्रवेश प्रक्रिया सेंट्रलाइज्ड एडमिशन कमिटी के माध्यम से प्रतिदिन जारी है। इच्छुक विद्यार्थी महाविद्यालय में उपस्थित होकर नियमित रूप से अपना प्रवेश प्राप्त कर सकते हैं। महाविद्यालय के आनलाइन एडमिशन नोडल प्रभारी प्रो. विजय यादव ने जानकारी दी कि स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों में एमए हिंदी में तीन, एमए अंग्रेजी में 20 तथा एमएससी रसायन विज्ञान में आठ सीटें रिक्त हैं। वहीं, स्नातक पाठ्यक्रमों में बीए प्रथम वर्ष में 191, बीकॉम में 23, बीसीए में पांच, बीएससी फिजिकल साइंस में 220 तथा बीएससी लाइफ साइंस में 74 सीटें उपलब्ध हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि जिन विद्यार्थियों ने आनलाइन फीस जमा कर दी है, उनके लिए अपने प्रवेश फॉर्म की हार्ड कॉपी समय पर संबंधित समिति को जमा कराना आवश्यक है। यदि कोई विद्यार्थी फीस जमा करने के बाद भी प्रवेश फॉर्म की हार्ड कॉपी जमा नहीं करता है तो उसका डेटा विश्वविद्यालय को नहीं भेजा जाएगा और इसकी पूरी जिम्मेदारी विद्यार्थी की स्वयं की होगी। इसके साथ ही सभी यूजी एवं पीजी द्वितीय और तृतीय वर्ष के विद्यार्थियों को भी निर्देश दिए गए हैं कि वे समय पर अपना प्रवेश फॉर्म संबंधित समिति को जमा करवाकर नियमित कक्षाओं में उपस्थिति सुनिश्चित करें।

जो शिक्षा हमें निर्बलों को सताने के लिए तैयार करे, जो हमें धरती और धन का ग़ुलाम बनाए, जो हमें भोग-विलास में डुबाए, जो हमें दूसरों का ख़ून पीकर मोटा होने का इच्छुक बनाए, वह शिक्षा नहीं भ्रष्टता है।
- मुंशी प्रेमचंद

गतांक से आगे...
अभी तक आपने पढ़ा कि शारदा की साहब से शादी हो जाती है। साहब कम बोलते हैं। शारदा इस बात का पूरा ध्यान रखती है कि घर में शोर-शराबा न हो। शारदा के दो बच्चे हो चुके हैं। बच्चों के जन्म के बाद वह समझ पाती है कि जीवन में आवाज का क्या महत्व है। साहब की मां स्वर्ग सिधार गई हैं। अब साहब ने कॉलेज की नौकरी से रिटायरमेंट ले ली है और ज्यादातर वक्त वे पढ़ने-लिखने में ही बिताते हैं। ***अब आगे...***

कहानी

नवरत्न

आवाज़ें

अम्मा जी चली गई हैं। साहब ने उन्हें चुपचाप विदा कर दिया है। अब तो अकेले ही दरख़्तों के साए में अपने हुक्के के साथ बैठते हैं। शाम को अक्सर अम्मा जी की जगह शारदा होती है। चुपचाप उन्हें पढ़ते-लिखते हुए या हुक्का गुड़गुड़ाते हुए देखती हुई शारदा ... बच्चे बड़े हो रहे हैं... पड़ोस में एक आध मकान और बन गया है। जिससे आवाजों की आमद बढ़ गई है। नए मकान का मुहूर्त है और पड़ोस में थोड़ी रेलम-पेल है। नए पड़ोसी थोड़े ज्यादा ही बोलने-चालने वाले किस्म के लोग हैं। बोल बोल कर, नाच-गाकर जिंदगी का आनंद मनाने वाले लोग.. साहब को न्योता देने आए हैं। चाहते हैं कि पड़ोस में जान-पहचान बढ़े।

साहब चुपचाप हुक्का गुड़गुड़ा रहे हैं। शारदा थोड़ी विचलित है कि अब उन्हें कैसे बताए... कि ये इस तरह के समारोह में शामिल नहीं होते। अब कुक्कू के कान में दर्द हो तो शारदा साहब के सोने की अलग कमरे में व्यवस्था कर सकती है। निक्की को बुखार हो या दोनों भाई-बहन आपस में खेलते-खेलते झगड़ा करने लगें तो शारदा के पास समाधान है। अब इस नई समस्या का तो उसे कोई समाधान नजर नहीं आता। लेकिन ऐसा भी नहीं कि साहब को ये चीजें बिल्कुल ही नागवार गुजरें। बस! इतना है कि वे न्योता देने वालों की बातों को सिर्फ सुन रहे हैं। बहुत हुआ तो वे उनके कई वाक्यों के बाद अपनी संक्षिप्त सी 'जी' से काम चला देते हैं। फिर... एक व्यक्ति और आ गया है जो शायद पहले वाले को बुलाने आया है। साथ में कुछ बच्चे भी आ गए हैं। बड़े प्यारे-प्यारे बच्चे हैं। निक्की और कुक्कू की आज छुट्टी है और जाने कब बच्चों की छोटी सी दुनिया में दोस्ती का दीप जगमग आ उठा है। शारदा ने निक्की के हाथ एक पानी का जग और गिलास भेजे हैं शिष्टाचारवश। साहब ने उन्हें पानी पिलाया है.. साथ ही आगंतुकों ने साहब को यह भी बताया है कि.. 'जी आज तो लेडीज संगीत का कार्यक्रम है। शाम को जवान बच्चे नाच-कूद लेंगे इस बहाने और कल सुबह दस बजे गृह प्रवेश है। आप मैडम के साथ, बच्चों के साथ, जरूर आइएगा।'

साहब ने कोई जवाब नहीं दिया है। बच्चों को खेलते हुए महज देख रहे हैं। फिर कुछ औरतें पारंपरिक परिधानों में सजकर गीत गाती हुई सुनाई दे रही हैं। बच्चे.. निक्की और कुक्कू के साथ खेलते-खेलते अंदर आ गए हैं। अब बच्चे तो बच्चे हैं, उन्हें कागजों पर लिखी बातों का क्या पता? वे विस्मय से भरे ..कमरों में भरी किताबों को देख रहे हैं। कभी-कभी किसी कागज को भी उठा लेते हैं। फिर उस कागज को यूं ही गिराकर कोई और पत्रिका उठा लेते हैं। उनके लिए तो सब कुछ महज खेलने की चीजें हैं। दुनिया एक खेल है... जिंदगी एक खेल है... यहां जी रहा प्रत्येक व्यक्ति अलग-अलग तरीकों से खेल रहा है। लेकिन शारदा असहज है। वह भारी द्वंद्व में है। बच्चों की आवाजों को बड़ी शिद्दत से सुन रही है। निक्की और कुक्कू का यूं बच्चों के साथ खेलना उसे सुकून दे रहा है। लेकिन बच्चे शोर कर रहे हैं। उनका शोर करना, आवाजें करना उसे अखर रहा है। शाम को जैसा कि शारदा को पहले ही अंदेशा था.. सात बजते-बजते डीजे शुरू हो गया .. खूब तेज आवाज में ...साहब भीतर अपने कमरे में हैं और खाना खा रहे हैं। शारदा खिड़कियां बंद कर रही है ताकि आवाज अंदर ना आ सके। लेकिन खिड़कियां - दरवाजे बंद करने से भी ज्यादा असर नहीं पड़ रहा और आवाजें बाकायदा अंदर आ रही है। हंसने की आवाजें, गाने की आवाजें, जोर-जोर से बोलने की आवाजें और सबसे तेज आवाजें... पटाखों की आवाजें... शारदा विचलित तो नहीं... लेकिन असहज है.. क्योंकि बारह साल में ऐसी स्थिति पहली बार आई है जब उसे अपने घर में इतना शोर सुनाई दिया है। साहब चुपचाप लेटे हैं । उन्होंने असहज और परेशान शारदा की ओर महज देखा भर है और अपने देखने भर से यह जता दिया है कि रहने दो, कोई बात नहीं... कई बार कुछ आवाजों का कोई समाधान नहीं होता। दोनों बच्चे बिल्कुल बेफिक्री से सो रहे हैं। साहब जाग रहे हैं । आवाजों का सिलसिला जारी है। शारदा अभी जाग रही है। हालांकि उसने कोशिश की है साहब के तलवों और सिर में तेल की मालिश करके उन्हें सुलाने की। लेकिन पटाखों की आवाज के साथ ही वे चौंक पड़ते हैं। कभी-कभी उठ कर बैठ भी जाते हैं। लिखने-पढ़ने वाले विचारशील व्यक्ति हैं। सोच रहे हैं कि जीवन में आवाजों का आदी होना भी कितना जरूरी है। आवाजों के समंदर में डूब कर बेखुदी में जीना कितना आसान हो जाता है । शारदा की आंखें शायद लग रही हैं। वह तंद्रा में ही विचार कर रही है कि कुछ आवाजें कितनी अच्छी होती हैं कि वे आती हैं और बच्चों के लिए खेलने का सामान कर जाती हैं। बच्चे स्कूल में तो भले ही खेलते होंगे घर में तो वे आज ही खेले हैं, पड़ोस के बच्चों के साथ। सोचते-सोचते वह सो गई। रात का एक बज गया है, अब शायद आवाजें थक गई हैं। उनमें एक बोझिल आकार पैदा हो गया है। अब थोड़ी-थोड़ी देर में आ तो रही हैं लेकिन अलसाई हुई सी, उनमें थकान है। शायद नशा भी है और कभी-कभी एक नींद की खुमारी भी सुनाई पड़ रही है। पटाखे भी अब थक गए हैं और डीजे भी कम से कमतर हो गया है । रात्रि का मौन पसर रहा है। आज इतवार है तथा बच्चों की छुट्टी है। पड़ोस में फिर चहल-पहल सुनाई पड़ रही है। गृह प्रवेश के लिए हवन का कार्यक्रम शुरू हुआ है। हवन के मंत्रोच्चार भी बाकायदा माइक में बोले जा रहे हैं। आहूतियों के सिलसिले में स्वाहा का समवेत स्वर माहौल को ऊर्जा नृत्य कर रहा है। शारदा का यह साफ-सफाई का वक्त है। सफाई करते हुए वह सोच रही है कि एक बार शिष्टाचार के नाते, औपचारिकतावश ही सही, वह पड़ोस में जा आएगी.. क्योंकि सुबह भी दो महिलाएं बुलावा देने के लिए आई थी। महिलाएं पारंपरिक परिधान में सजी-धजी, हवन का प्रसाद लेकर गई थी। उनके साथ बच्चे खेलते हुए यहीं रुक गए थे। साहब नहा-धोकर, बाहर शहतूत तले, उनकी प्रिय जगह पर अपने हुक्के के साथ बैठे हैं। आंखों में रात भर न सोने के कारण थकान है। शारदा नहा धो चुकी है। उसने कॉटन सिल्क की साड़ी पहनी है। बस साहब के लिए नाश्ता बनाना है, फिर बच्चों के साथ वह थोड़ी देर के लिए पड़ोस में चली जाएगी। हवन हो चुका है व मंत्रोचार के समवेत स्वर सुनाई नहीं पड़ रहे हैं। शारदा रसोई में है और बच्चे दूसरे कमरे में खेल रहे हैं। वह बीच-बीच में दो-तीन बार उन्हें खेलते हुए फुसफुसाकर ताकीद कर आई है कि आवाजें नहीं, चुपचाप खेलते रहो। लेकिन अब की बार वह बच्चों वाले कमरे में आई तो पड़ोस का एक बच्चा कागज से हवाई जहाज बना रहा था। उसने शायद किसी पत्रिका से पृष्ठ फाड़ लिया है। शारदा के लिए यह अप्रत्याशित था। उसने निक्की को पास बुलाकर धीरे से फुसफुसाया.. पापा के लिए नाश्ता बना रही हूं, फिर पड़ोस के फंक्शन में चलेंगे, तब तक तुम सब बच्चों को बराबर वाले लान में, गुलमोहर के नीचे, खेलाओ और बाहर से दरवाजा बंद कर जाओ, नहीं तो ये बार-बार आकर पापा के कागज उठाएंगे। निक्की समझ गई.. वह इन सब में बड़ी बच्ची है.. उसने ऐसा ही किया, बाहर बरामदे का दरवाजा बंद कर दिया ताकि मम्मी आराम से नाश्ता बना सके। साहब को मिट्टी की हंडिया में बना हुआ दलिया नाश्ते में पसंद है। उनका मानना है कि खाने की चीजें भी जितनी धीरे पकती हैं उनमें स्वाद बरकरार रहता है। तेजी से पकी हुई चीजें बे-स्वाद होती हैं। शारदा भी समझ चुकी है कि जिंदगी धीरे धीरे, आराम से और सुकून से जी जाती है। वह दलिया धोकर मिट्टी की हांडी में डालते हुए भी साहब के बारे में ही सोच रही है कि वे रात भर आवाजों से दो-चार रहे और सो न सके। लेकिन बाहर अब सब कुछ शांत है बिल्कुल शांत ... कोई आवाज नहीं आ रही.. सोच कर.. उसे अच्छा लगा। कुछ देर से बच्चों की ओर से भी आवाज नहीं आ रही है। वह सोच रही है शायद बच्चे भी खेलते हुए पड़ोस के समारोह की ओर निकल गए होंगे। साहब नाश्ता करके शायद थोड़ा आराम करें और उनकी आंख लग जाए तो अच्छा हो। वह विचार की गहरी कंदरा में थी कि फिर दूध लेने के लिए गैस के दूसरे चूल्हे की ओर पलटी और अचानक कॉटन सिल्क की साड़ी का पल्लू और आग का भभूका..... उसको तो उकाब ही नहीं आया। चाह कर भी चीख नहीं पाई शारदा ... हालांकि रसोई से बाहर... बरामदे की ओर...वह भागी ..लेकिन भागी तो ... सिल्क और भी भभकी ... अबकी बार । शहतूत के दरख्त के नीचे साहब किसी साहित्यिक पत्रिका में उलझे हैं। हालांकि बीच में उनकी चेतना कुछ समय के लिए घर के मुख्य दरवाजे की ओर गई और उन्होंने बाकायदा देखा भी कि बाहर से बंद है और हल्के-हल्के थपथपाया जा रहा है। कुंडी बाहर से साफ दिख रही है। दोनों किवाड़ धीरे-धीरे आगे-पीछे होते हुए दिखाई दे रहे हैं लेकिन फिर उन्होंने यह सोचकर ध्यान हटा लिया कि बच्चे हैं और पड़ोस के बच्चों के साथ खेल रहे हैं। पत्रिका में आलेख छपा है .. आवाजों के जंगल में जिंदगी की तलाश... उन्होंने शीर्षक देखा ... उन्हें शीर्षक अच्छा लगा है। शीर्षक से ही उन्हें साफ महसूस हुआ कि आलेख किसी को भी अपनी ओर आकर्षित करेगा पढ़ने के लिए। लेकिन कुछ जलने की गंध और उनके नासा पुट सक्रिय ....उन्होंने फिर घूम देखा... तो बरामदे के अंदर वाले रोशनदान से धुआं निकल रहा है... मटमैला सा धुआं ... उनकी समझ में कुछ नहीं आया।

> ***वह विचार की गहरी कंदरा में थी कि फिर दूध लेने के लिए गैस के दूसरे चूल्हे की ओर पलटी और अचानक कॉटन सिल्क की साड़ी का पल्लू और आग का भभूका..... उसको तो उकाब ही नहीं आया। चाह कर भी चीख नहीं पाई शारदा***

वे उठे... कि उन्हें लगा कि जैसे कुछ अप्रिय घटित होने की आशंका के साथ और वे लगभग दौड़ ही पड़े....कुंडी खोली तो अंदर का हृदय विदारक दृश्य ... उन्होंने जिंदगी में पहली दफा किसी नाम को इतनी जोर से पुकारा... शारदा ....ssssss.. और शारदा ने बमुश्किल आंखें खोली और फौरन हाथ से इशारा करते हुए अपनी तर्जनी होठों पर रख ली ।... और इस तरह से साहब की जिंदगी से उस दिन उस आखिरी आवाज ने विदा ली। आजकल वे खोजते फिरा करते हैं आवाजों को... वे मानते हैं कि आवाजें हैं तो हम हैं या कि हम हैं तो आवाजें हैं। आवाजें हमारे होने को तस्दीक करती हैं.. या कि कुछ आवाजें खूबसूरत हुआ करती हैं। उनका होना हमारी जिंदगी को सार्थक कर जाता है। आवाजें लहरों से समंदर की छाती पर अलविदा लिख दिया करती हैं। आकाश की पीठ पर बादलों की आवाजें बरसात नहीं... असल में जिंदगी ही तो लिखा करती हैं। **(समाप्त)**

कविता

राकेश कुमार सपड़ा

तकदीर

निहार लेते और दो घड़ी
जो मालूम होता
अब होगी ना मुलाकात हमारी।

कहते दिल की अपनी
सुनते तुम्हारी
ना कहते
मिलेंगे फिर
होते वक्त विदा
रोक लेते तुम्हें
जो होता मालूम
हमेशा को
हो रहे हैं जुदा
अलविदा कहने को भी
होगी ना अब भेंट हमारी।

यादें तुम्हारी
ना दिल से मिटायेंगे
बितेगा सफर यूँ ही
इक रंगी हमारा
ना होगा ओझल
रहेगा बसा आँखों में
वो अक्स तुम्हारा
चलेंगे हम
संग होगा साया तुम्हारा।

काश दे के आवाज तुम्हें
बुला पाते
एहसास अपने जज्बातों का
दिला पाते
पता जो मालूम होता तुम्हारा
भेज के पाती
बहाने से तुम्हें किसी भी
बुला पाते
कसमें जो रह गई हैं अधूरी
वो निभा पाते।

ख्वाबों का ही अब सहारा होगा
हमसफर कोई दूजा ना हमारा होगा
याद में तुम्हारी
नम आँख में जो आँसू होंगा
कहने को हमारा
नाम उस पर तुम्हारा ही होगा।

कविता

अंजु कपूर गांधी

नारी

सच कहूं तो हर नारी
जिम्मेदारियों के बोझ तले
खुद के सपनों को दबाए
चलती रही ताउम्र बोझा
अपने सिवाए ,सबका उठाए
थकती पर रुकती नहीं है
चलती जाती
जीवन होम किया
फिर भी
अंत ठगा खुद को है पाती
सबसे बड़ी ठगी तो वो है
खुद से ही जो करती जाती
आती -जाती श्वासों में ये जीवन खेले
इससे पहले मृत्यु निज आगोश में ले
लक्ष्य जो चिन्हित किये थे
उनको पाना याद कर
हैं बची सांसें ये जितनी
अब तो अपने नाम कर
खोल दे बंद मुट्ठियां
ख्वाहिशों को पंख लगा
पांव जमीं पर रहें...
'अंजु' व्योम छू के आ !

लघुकथा

विश्वदीपक त्रिखा

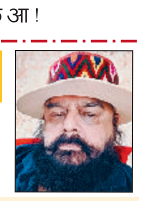

कामवाली बाई

पिछली कामवाली बाई छोड़ गई थी। नई कोई मिल नहीं रही थी। दिक्कत बहुत थी। हम दोनों ऑफिस चले जाते तो घर में बच्चे और बच्चों के दादा-दादी अकेले होते। किसी ने बताया कि दिल्ली में एजेंसी से मिल जाएगी मेड। उनसे बात की। उन्होंने एडवांस पेमेंट ली और उन्हीं का आदमी साथ लेकर आया। एग्रीमेंट पर हमारे हस्ताक्षर करवाए और मेड को छोड़ कर चला गया।

मेड का नाम था लवली। 32/33 की उम्र थी। बंगाल की रहने वाली थी। बंगाली बोलती थी। टूटी-फूटी हिंदी भी बोल लेती थी। दो-चार दिन के बाद उसने मोर्चा संभाल लिया। काम आसान हो गया। खाना बहुत ही अच्छा बनाती थी। और किसी किस्म के नखरे भी नहीं थे। एक साल बाद बोली कि भैया घर जाऊंगी, टिकट बुक करवा दो। मैंने टिकट बुक करवा दी। एक महीने बाद वापस आई तो रो रही थी। बोली भैया रास्ते में टीटी ने 2000 रुपये जुर्माना लगा दिया। आधार कार्ड दिखाया तो कहता टिकिट किसी और के नाम से है।

मैंने कहा, आधार दिखाओ । आधार कार्ड देखा तो उस पर नाम था आबिदा बेगम। टिकट मैंने लवली के नाम से करवाई थी। मेरा काटो तो खून नहीं। मैंने पूछा, लवली आप मुसलमान हो क्या। बोली, हां भैया।

मैं उठ कर दूसरे कमरे में चला गया। मेरी बीवी भी पीछे आ गई। हम दोनों ही परेशान कि ये क्या हुआ हमारे साथ। धोखा ये नहीं कि वो मुसलमान है। धोखा ये कि हमें एजेंट ने या खुद लवली ने ये सब बताया क्यों नहीं। एग्रीमेंट लवली के नाम से ही बना था। हमने उस वक्त आधार देखने की जरूरत ही नहीं समझी। थोड़ी देर में जब हम सदमे से उभरे तो बाहर आकर उसको चाय बनाने के लिए बोला और पहले जैसे ही हंस बोल कर माहौल को हल्का बनाने की कोशिश की ताकि उसको महसूस न हो।

मैं ठहरा ब्राह्मण, वो भी असली वाला और मेरे घर में कामवाली मुसलमान, कुछ समझ नहीं आ रहा था कि क्या करू। उसके गुण देखूं कि उसका धर्म देखूं। जो गुण थे उसमें, उसके सामने उसका धर्म गौण लगा मुझे। मैं कोई सेकुलर नहीं हूं। कट्टर हिंदू हूं लेकिन कुछ रिश्ते इन सब से ऊपर हो जाते हैं। शायद उसका हमारा रिश्ता कुछ ऐसा ही बन चुका था। वो उमर में मेरे से छोटी थी पर डांटती ऐसे थी जैसे कि मेरी मां हो। घर में चलती भी उसी की थी। मैं कभी बीवी को डांट दूं तो मेरे को डांट दिया करती। कभी मेरे से कोई गलती हो जाती तो मेरी खैर नहीं। हमारे घर में क्या कहां पड़ा है सब उसी को पता होता था न कि मेरी बीवी को। एक तरह से वो घर की कंप्लीट केयरटेकर थी। सब वैसे ही चलता रहा। ईद में मेरी बीवी उसके लिए सिवांइया बनवाती। दीवाली में हमारे साथ वो पूजा करती। उसने हमारे घर 16 साल काम किया। कोरोना की दूसरी लहर में घर गई। फिर वापस आई और एक साल और काम किया लेकिन उसके बाद उमर हो गई थी उसकी भी 50 के आसपास। अब काम नहीं होता था उससे। बोली, जाऊंगी वापस घर। मेरी बीवी ने बहुत रोका, बोली रुक जाओ। हमें आपकी आदत सी हो गई है। लेकिन चाहते हुए भी वो नहीं मानी। खैर, इतना ही साथ था हमारा। हम उसको दिल्ली स्टेशन पर छोड़ने गए। ट्रेन चली तो हम तीनों की आंखों में आंसू थे।

haribhoomisahitya@gmail.com पर आप अपनी रचनाएं भेज सकते हैं।

साहित्यकार डॉ. सत्यबीर सिंह 'निराला' आधुनिक युग में साहित्य की स्थिति को जटिल,लेकिन अत्यंत रोचक करार देते हुए कहते हैं कि सोशल मीडिया और डिजिटल माध्यमों के विस्तार ने साहित्य की प्रकृति, पहुंच और अभिव्यक्ति के तरीकों को पूरी तरह से बदल दिया है। साहित्य अब केवल शब्दों का खेल नहीं रहा, वह मल्टीमीडिया अनुभव बनता जा रहा है।

साक्षात्कार

ओ.पी. पाल

सामाजिक जीवन को सकारात्मक राह देता साहित्य : डॉ. सत्यबीर 'निराला'

भारतीय संस्कृति में साहित्य को समाज का दर्पण माना जाता है। इसलिए सामाजिक सरोकार के मुद्दों पर लेखन के जरिए साहित्य साधना कर रहे साहित्यकार संस्कृति और परंपराओं और सभ्यता के प्रति समाज को नई दिशा देने का प्रयास कर रहे हैं। डॉ. सत्यबीर सिंह ऐसे ही साहित्यकार हैं, जिन्होंने पद्य, दोहे, वर्णमाला, चौपाई, भजन, हरियाणवी भजन व बारह मास जैसी विधाओं में सामाजिक जीवन को सकारात्मक राह देने का प्रयास किया है।

गद्य और पद्य दोनों प्रारूप को साहित्य संवर्धन का हिस्सा बनाकर उन्होंने हरियाणवी भाषा और संस्कृति को सर्वोपरि रखते हुए कला और संगीत की विधाओं में भी एक कलाकार व गायक और समाजसेवा की भाव के साथ अपनी पहचान बनाई है। हरिभूमि संवाददाता से हुई बातचीत में वरिष्ठ साहित्यकार डॉ. सत्यबीर सिंह 'निराला' ने समाज, खासतौर से युवा पीढ़ी को साहित्य और संस्कृति के प्रति प्रेरित करने पर बल दिया है। वरिष्ठ साहित्कार डॉ. सत्यबीर सिंह 'निराला' का जन्म 24 अक्टूबर 1956 को रोहतक जिले के गाँव निगाना में एक सामान्य कृषक परिवार में बनारसी दास नम्बरदार व सरबती देवी के घर में हुआ। परिवार में पारिवारिक पृष्ठभूमि में कोई साहित्यिक या सांस्कतिक माहौल नहीं था, लेकिन उन्हें बचपन से ही भजन और गीत गाने का बहुत शौक था। हालांकि होश संभालने के बाद मध्यम वर्ग का परिवार होने की वजह उनके जीवन में भी आर्थिक और सामाजिक लक्ष्यों को हासिल करने के लिए संघर्ष करना पड़ा। उन्होंने अल्पायु यानी 14 या 15 वर्ष की उम्र में ही लिखना शुरू कर दिया था। वक्त के साथ जब वह बड़े हुए तो उन्होंने अपनी पढाई के साथ में संगीत की शिक्षा ग्रहण करनी भी जारी रखी और जल्द ही वह बड़ी स्टेजों पर बतौर गायक तथा हारमोनियम वादक के तौर पर कार्य करने लगे। समय के साथ ख्याति बढ़ती गई और उन्हें फिल्मों, नाटकों में गीत लिखने के लिए तथा बतौर संगीतकार के तौर पर कार्य करने के अवसर मिलते रहे, लेकिन कहीं न कहीं मन में एक टीस बाकी थी कि उनकी रचनाएं किस प्रकार आने वाली पीढ़ी को जागरूक करे। इसलिए उन्होंने साहित्य लेखन की तरफ अपने कदम बढ़ाने शुरू कर दिए। साहित्य सृजन करते हुए वह अब तक करीब 78 से ज्यादा पुस्तकें लिख चुके हैं। हालांकि दस पुस्तकें भी प्रकाशित हो चुकी हैं। कवि धर्म संसद में सद्गुरु बाबा हरदेव सिंह जी महाराज ने शुभ आशीष देते हुए उन्हें साल 1990 में 'निराला' उपाधि से नवाजा। हालांकि घर परिवार की जिम्मेदारियों को निभाने के लिए सरकारी नौकरी करने तथा साहित्य लेखन व संगीत के कार्य में सामंजस्य बैठाने में वास्तव में उन्हें बेहद परेशानी का सामना करना पड़ा, लेकिन हरियाणा सरकार के जनस्वास्थ्य अभियांत्रिक, जल आपूर्ति विभाग से सेवानिवृत्ति के बाद खासतौर से साहित्यिक क्षेत्र की दृष्टि से उन्हें बड़ी राहत मिली। इसलिए अब वह लगातार दिन-रात साहित्य सृजन तथा साहित्यिक गतिविधियों में इतना व्यस्त रहने लगे और अब तक वह करीब 75 से ज्यादा पुस्तकें लिख चुके हैं। साहित्य और संगीत में पीएचडी की मानद उपाधि हासिल कर चुके डॉ.सत्यबीर सिंह, आमतौर पर उनके लेखन का फोकस हर विषय पर रहा है, लेकिन सामाजिक सरोकार से जुड़े मुद्दों, अध्यात्म एवं जनजागृति पर आधारित रचनाओं पर ज्यादा कलम चलाई है। साहित्य सृजन के अलावा वह सामाजिक गतिविधियों में भी सक्रीय हैं और निराला चैरिटेबल ट्रस्ट के संस्थापक निदेशक के रूप में वह महिला सशक्तिकरण की दिशा में अब तक 150 महिलाओं एवं लड़कियों को निःशुल्क एडवांस बेसिक कंप्यूटर कोर्स और बेसिक कंप्यूटर कोर्स करवाए जा चुके हैं। वहीं पौधरोपण, रक्तदान आदि गतिविधियों तथा धर्म प्रचार-प्रसार कार्यों में अहम वह लगातार अपनी भूमिका निभा रहे हैं। डॉ. सत्यबीर सिंह 'निराला' ने बताया कि वह अब तक हरियाणवी भाषा में 250 से ज्यादा गीत, कविताएं लिख चुके हैं, जिसमें उनकी एक पुस्तक 'टूटता तारा' हरियाणवी भाषा मे प्रकाशित हो चुकी है। बतौर संगीतकार, गीतकार, गायक एवं अदाकार के रूप में कई हरियाणवी फिल्मों, टेलीफिल्मों तथा नाटकों में कार्य किया। वे कहते हैं कि साहित्यकारों को अपनी रचनाओं और लेखों को रोचक व प्रासंगिक बनाने के लिए विज्ञान, राजनीति, समाजशास्त्र के साथ साहित्य का संवाद स्थापित करना होगा।

प्रकाशित पुस्तकें

निराला' ने अब तक हिंदी व हरियाणवी भाषा में 75 से ज्यादा पुस्तकें लिखी हैं। इनमें प्रमुख रूप से आइना - ए-निराला, सत्य की ओर, दरकते-रिश्ते, अदालत, प्यार का पैगाम,घटता आँचल, टूटता तारा (हरियाणवी), संत बाबा मेहरशाह (ग्रंथावली) शामिल हैं। उनकी साझा संग्रह पुस्तकों में 'पौत्र प्रभाविकरण', 'तनै कर दिया इसा कमाल', 'गुरु कृपा', 'संस्कारों की क्यारी', 'प्यारा नंद लाला', 'भारत माता की जय', 'मेघा पुष्प', 'कविता कौमुदी' के अलावा प्रकाशनाधीन साझा संग्रह पुस्तक 'एकता', 'बेरहम' और 'महिलाओं की प्रधानता और नेतृत्व' शामिल हैं।

डॉ.सत्यबीर सिंह 'निराला'

पुरस्कार व सम्मान

डॉ. सत्यबीर को हरियाणा साहित्य एवं संस्कृति अकादमी से 'हरियाणवी भाषा के विकास की संभावनाए' विषय पर प्रमाण पत्र से सम्मानित किया गया। उनको प्रमुख रूप से राष्ट्रीय साहित्य रत्न सम्मान, राष्ट्रीय कबीर कोहिनूर सम्मान, 'बाल अधिकार साहित्य सम्मान, अटलश्री सम्मान, विधा भास्कर निराला सम्मान, कवि महेन्द्र सिंह नंबरदार स्मृति सम्मान, मिसरी-जुगलाल स्मृति साहित्य श्री सम्मान, निर्मला स्मृति हरियाणा गौरव साहित्य सम्मान, प्रकृति गौरव सम्मान, संस्कृति प्रेमी सम्मान, सनातन धर्म और साहित्य सम्मान शामिल हैं।

व्यक्तिगत परिचय

नाम :डॉ. सत्यबीर सिंह 'निराला'
जन्मतिथि :24 अक्टूबर 1956
जन्म स्थान :गांव निगाना, रोहतक (हरियाणा)
शिक्षा : इंटरमिडिएट, पीएचडी उपाधि
संप्रति : साहित्यकार, संगीतकार, गायक एवं समाजसेवी, जल आपूर्ति विभाग से सेवानिवृत्त।

वेदना और संवेदना का मिश्रित रंग है अमूर्त काल

पुस्तक : अमूर्त काल
लेखक : अजय रोहिल्ला
मूल्य : 350 रुपये
प्रकाशक : आधार प्रकाशन

पुस्तक समीक्षा

भारत भूषण शर्मा

अजय रोहिल्ला एक विद्रोही वजूद का मानवीय नाम है, जो उनकी सोच, समझ और स्वभाव का प्रतिबिंब बनकर, कभी उन्हें रंगमंच का कलाकार, कभी निर्देशक, कभी सिल्वर स्क्रीन पर एक सक्षम अभिनेता तो कभी चित्रकार के रूप में सामने लाता है। उनके विद्रोही और आक्रामक स्वभाव का एक नया रूप कवि के रूप में देखने को मिला है।

उनका कविता संग्रह 'अमूर्त काल' के रूप में हमारे सामने है। हालांकि, अजय की कविताओं को मैंने इस संग्रह से हटकर भी पढ़ है। कई संदर्भों में महसूस किया है। अजय रोहिल्ला की कविताओं को समझने से पूर्व यदि उनके कविता संग्रह 'अमूर्त काल' के शाब्दिक, व्याकरणिक अर्थ को समझ लेंगे तो इन रचनाओं को समझने में आसानी होगी। 'अमूर्त काल' यानि जो किसी स्पष्ट क्रिया या निश्चित समय का संकेत नहीं देते, बल्कि किसी कार्य की सामान्य स्थिति, इच्छा भावना या संभावना को प्रकट करते हैं। कविता संग्रह 'अमूर्त काल' एक गूढ़ अवधारणा है, जो कवि को समय की सीमाओं पर जाकर अनुभूति, स्मृति, कल्पना और भावना के माध्यम से व्यक्त करने की स्वतंत्रता देती है। उपरोक्त व्याकरणिक परिभाषा के अनुरूप अजय रोहिल्ला अपनी सोच, अपनी काल्पनिकता और अपने विद्रोही तेवरों को कविताओं के माध्यम से उकेरने में सफल हुए हैं। उनके कविता कौशल के कुछ शानदार, उद्वेलित करने में सक्षम नमूने देखिए-

युद्ध एक काला घाव
जो आकाश फटता है
उसके छींटें
हड्डियों की चीख, बारूद की गंध
पर नजर पड़ते ही
वह घाव सिकुड़ता है
और कीचड़ में खिल उठता है कमल
जो रात के स्वप्न में तैरता है...

इनके अलावा भी बहुत सी घायल संवेदनाएं, आहत अहसास और सहमी हुई सिसकियां हैं, जो अजय रोहिल्ला के 'अमूर्त काल' में उसने वेदना और संवेदना के मिश्रित रंगों से उकेरी हैं। 'अमूर्त काल' में छपी उसकी सभी रचनाओं के केंद्र में विश्व मंच पर लगातार हो रहे इंसानियत के ह्रास की तस्वीर नजर आती है। इस कविता संग्रह को उस शख्स को एक बार तो अवश्य पढ़ लेना चाहिए, जो समाज और समय में संक्रमित हो रहे संदर्भों से विचलित होने में सक्षम हो, जिसके अंदर इंसानियत को जिंदा रखने की ललक भी हो।

खबर संक्षेप

मनीष बने टाईगर क्लब के प्रचार मंडल अध्यक्ष

नारनौल। 22वें विशाल दुर्गा पूजा महोत्सव की तैयारी को लेकर के चल रहे सदस्यता अभियान के तहत मनीष सैनी को माता रानी का पटका पहनाकर टाईगर क्लब सदस्य बनाया गया। इस अवसर पर उनको टाइगर क्लब परिवार का प्रचार मंडल अध्यक्ष की जिम्मेदारी दी गई। इस मौके पर मनीष सैनी, प्रवीण यादव, संजय सैनी, प्रधान राकेश यादव उपस्थित रहे।

पीजी में एडमिशन के लिए फिजिकल काउंसलिंग आज

नारनौल। रेलवे रोड स्थित राजकीय महाविद्यालय में 18 अगस्त को प्रातः 10 बजे से दोपहर 2 बजे तक स्नातकोत्तर (पीजी) प्रथम वर्ष में शेष/रिक्त सीटों के लिए फिजिकल काउंसलिंग का आयोजन महाविद्यालय परिसर में किया जाएगा। इस संदर्भ में एडमिशन नोडल अधिकारी डा. सतीश सैनी ने बताया कि सभी संबंधित अभ्यर्थियों को सूचित किया जाता है कि वे आवश्यक दस्तावेजों सहित निर्धारित समय पर महाविद्यालय में उपस्थित होकर काउंसलिंग प्रक्रिया में भाग लें।

नारनौल। बैठक करते संस्था के सदस्य। फोटो : हरिभूमि

अशोक सिंघल बने सेवा भारती के शाखा अध्यक्ष

नारनौल। सेवा भारती हरियाणा प्रदेश शाखा नारनौल की बैठक रविवार को एसएस जैन सभा भवन में संपन्न हुई। जिसकी अध्यक्षता जिला अध्यक्ष सुधीर मित्तल ने की। संस्था के विभिन्न पदाधिकारियों का सर्वसम्मति से चयन किया गया। संरक्षक पद पर जयप्रकाश अग्रवाल, अध्यक्ष पद पर अशोक सिंघल, जिला टोली सदस्य अश्वनी कटारिया व सुमनकांत चौक, उपाध्यक्ष सुभाष वर्मा व बजरंग गुप्ता, सचिव डॉ. शिवकुमार, सहसचिव शिवशंकर अग्रवाल, स्वास्थ्य आयाम प्रमुख डॉ. दीपक, शिक्षा आयाम प्रमुख विक्रम यादव को नियुक्त किया गया। वहीं महिला सदस्य के रूप में पूनम गोयल व अन्य सदस्यों में आशीष चौधरी, नीरज अग्रवाल आदि को चुना।

मेले में विभिन्न प्रकार की खेल प्रतियोगिताओं में क्षेत्र के युवाओं ने दमदार प्रदर्शन से सभी को किया आकर्षित

जन्माष्टमी मेले में 21 हजार की इनामी कुश्ती गोलू को हराकर अन्नी पहलवान बाघोत ने जीती

हरिभूमि न्यूज ▶▶| मंडी अटेली

बाबा खेतानाथ की जन्मस्थली सिहमा में श्रीकृष्ण जन्माष्टमी का विशाल मेले का आयोजन हुआ। मेले में विभिन्न प्रकार की खेल प्रतियोगिताएं हुई। मेले की शुरुआत बाबा खेतानाथ मंदिर के महंत एतबारनाथ के हाथों से रिबन काटकर की गई। दिनभर बाबा खेतानाथ मंदिर में दूरदराज से आए श्रद्धालुओं ने प्रसाद चढ़ाकर अपनी मन्नतें मांगी। मंदिर प्रांगण में लगे मेले की दुकानों से लोगों ने जमकर खरीददारी की।

मंडी अटेली। सिहमा में पहलवानों के हाथ मिलवाते हुए व मेला कमेटी सदस्य महिला वॉलीबॉल की फाइनल विजेता टीम।

मेले के समापन पर मुख्य अतिथि पंचायत समिति प्रतिनिधि चेयरमैन राजकुमार रहे। खेल प्रतियोगिताओं में कुश्ती में गोलू नारनौल को हराकर अन्नी बाघोत ने 21 हजार की इनामी कुश्ती जीती। वहीं 11 हजार की कुश्ती में गोलू एवं बिंद्र में बराबर रही। कबड्डी प्रतियोगिता में 16 वर्ष वर्ग आयु में प्रथम स्थान पर मकड़ौली, द्वितीय आदमपुर, तृतीय महासर और चौथे स्थान पर कटकई रही। वहीं कबड्डी प्रतियोगिता में 21 वर्ष वर्ग आयु में प्रथम स्थान पर पाथेड़ा, द्वितीय आदमपुर दाढ़ी, तृतीय नीरपुर और चौथे स्थान पर नया गांव रही। लड़कियों की वॉलीबॉल प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पर सीआरपीएफ, द्वितीय चंडीगढ़, तृतीय गुरुग्राम और चौथे स्थान पर चोरकारसा रही। वालीबाल प्रतियोगिता में 19 वर्ष वर्ग आयु में प्रथम स्थान पर नगुरा जींद व द्वितीय स्थान पर वीडी स्कूल बहुझोलरी रही। वॉलीबॉल पुरुष ओपन में प्रथम गुरुग्राम एवं द्वितीय कुरुक्षेत्र रही। इस मेले में बुजुर्गों की दौड़ विशेष आकर्षण का केंद्र रही। सभी विजेता खिलाड़ियों को मेला कमेटी व सरपंच प्रतिनिधि प्रमोद यादव ने पुरस्कृत किया। इस मौके पर सरपंच सुमन देवी ने बताया कि गांव में हर वर्ष श्रीकृष्ण जन्माष्टमी पर विभिन्न प्रकार की खेल प्रतियोगिताएं करवाता है। हमारा गांव कई सालों से बाबा खेतानाथ के नाम व आशीर्वाद लेकर मेले की शुरुआत करता है। खेलकूद से न सिर्फ स्वास्थ्य बल्कि रोजगार एवं यश तथा सम्मान भी प्राप्त होता है। कई देशों में यह देखने में आया है कि खेलों का अप्रत्यक्ष रूप से संबंध देश के विकास से भी होता है। खेल मानसिक संतुलन बनाए रखने में भी सहायक होते हैं। जब व्यक्ति खेलकूद में भाग लेते हैं तो उनकी सोच और समग्र मस्तिष्क कार्यक्षमता में सुधार होता है।इस मौके पर पूर्व सरपंच विक्रम सिंह, राजकुमार चेयरमैन, मास्टर राजेंद्र प्रसाद, बीरेंद्र सिंह प्रधान, सज्जन सिंह ठेकेदार, अनिरुद्ध ठेकेदार, ईश्वर पंच, तेजपाल पांच, ओमप्रकाश, रविंद्र आदि रहे।

रामबास में मेला व खेलकूद प्रतियोगिता का हुआ आयोजन

कनीना। कबड्डी टीम को सम्मानित करते आयोजक।

कनीना। गांव रामबास में जन्माष्टमी पर्व पर आयोजित मेले व खेलकूद प्रतियोगिता में दूरदराज से आए श्रद्धालुओं व दर्जनभर टीमों ने हिस्सा लिया। अधिवक्ता ओपी यादव ने बताया कि कबड्डी प्रतियोगिता में मिथिलावास की टीम प्रथम व फ्यूचर फाइटर गुरुग्राम की टीम द्वितीय स्थान पर रही। जिन्हें क्रमशः 21 हजार व 15 हजार रुपये का नकद पुरस्कार प्रदान किया गया। इसी प्रकार वॉलीबॉल में चिराग दिल्ली टीम ने प्रथम, निमोठ गांव की टीम ने द्वितीय स्थान हासिल किया। जिनमें विजेता टीम को 21 हजार व उपविजेता टीम को 15 हजार रुपये का इनाम दिया गया। 11 हजार रुपये का कुश्ती बलजीत पहलवान बागोत के नाम रही। 60 वर्ष से अधिक के बुजुर्गों की दौड़ में कृष्ण कुमार जींद ने प्रथम स्थान हासिल किया। महिलाओं की मटका दौड़ प्रतियोगिता में रीना मोहनपुर प्रथम रही। जिन्हें पारितोषिक वितरित किया गया। इस मौके पर मेला कमेटी के प्रधान वीरेंद्र बोहरा, पूर्व सरपंच बनवारी लाल, चांदसिंह, सुनील यादव एडवोकेट, विक्रम सिंह, सतीश नम्बरदार, वेदप्रकाश, सत्यदेव नम्बरदार, रामेश्वर दयाल, जगदीश चेयरमैन, अशोक कुमार, बलजीत डीपी, श्रीराम पंच, जितेंद्र, कृष्ण सिंह, अमरजीत, दिलावर, विकास आदि रहे।

धनौंदा में गोगाजी महाराज की जयंती मनाकर किए श्रद्धा सुमन अर्पित

नारनौल। गांव धनौंदा में गोगाजी महाराज के चित्र पर पुष्प अर्पित करते श्रद्धालु। *फोटो : हरिभूमि*

नारनौल। धनौंदा गांव में लोक देवता जाहरवीर गोगाजी महाराज की 1079वीं जयंती धूमधाम से मनाई गई। मुख्य अतिथि बसपा नेता अतरलाल एडवोकेट ने श्रद्धालुओं के साथ गोगाजी के चित्र पर पुष्प अर्पित कर समारोह का शुभारंभ किया। अध्यक्षता नरेंद्र शास्त्री ने की। वक्ताओं ने गोगाजी महाराज को नमन करते हुए उनके आदर्शों पर चलने की अपील की। इस अवसर पर अतरलाल ने कहा कि गोगाजी महाराज ने ताउम्र गरीब, बेसहारा, वंचित, पिछड़े और दलितों की भलाई के लिए कार्य किया। वे महिला अस्मिता के प्रहरी तथा गौरक्षक थे। उनकी संघर्षगाथा युगों युगों तक समाज को प्रेरणा देती रहेगी। नरेंद्र शास्त्री, सुभाष यादव, कैलाश सेठ, दानसिंह प्रजापत ने हरियाणा सरकार से अन्य संत महापुरुषों की तरह जाहरवीर गोगाजी की जयंती भी सरकारी स्तर पर मनाने तथा प्रदेश की किसी यूनिवर्सिटी में उनके नाम की शोधपीठ स्थापित करने की मांग भी की। इस मौके पर प्रवीण शर्मा, परमजीत कौशिक, राकेश यादव, बीरसिंह, जॉनी रहे।

नारनौल। शिवाजी पार्क में सफाई अभियान शुरू करते हुए। फोटो : हरिभूमि

हुडा एसोसिएशन ने शिवाजी पार्क में रोपे पौधे

नारनौल। हुडा रेजिडेंट वैलफेयर एसोसिएशन के प्रधान नरेश चौधरी के नेतृत्व में एसोसिएशन कार्यकारिणी एवं हुडा नागरिकों द्वारा निरंतर पार्कों की सफाई एवं पौधारोण कार्य का करते हुए अब तक पांच पार्कों की सफाई एवं पौधारोपणा कार्य पूरा किया जा चुका है। यह जानकारी देते हुए प्रधान नरेश चौधरी ने बताया कि इन पार्कों में चंद्रशेखर पार्क, गांधी पार्क, बाबा खेतानाथ पार्क, दयानंद पार्क एवं शिवाजी पार्क शामिल हैं। उन्होंने बताया कि रविवार को प्रातः 6 बजे शिवाजी पार्क में सफाई एवं पौधारोपण का कार्य शुरू किया गया, जिसमें मेन रोड पर बड़े–बड़े झाड़–झंखड़ को काटा गया। पार्क के अन्दर घास एवं पेड़ों की छंगाई की गई, जिसमें समस्त कार्यकारिणी एवं आसपास के निवासियों का पूर्ण सहयोग रहा। इस कार्य के लिए प्रधान नरेश चौधरी ने उपस्थित हुए हुडा निवासियों का धन्यवाद किया और कहा कि पार्कों की सफाई अभियान में पूर्ण सहयोग रहा। इस मौके पर अरुण नूनीवाला, सूरज बोहरा एवं महेन्द्र छीलवाल मौजूद रहे, जिन्होंने चाय, पानी व नाश्ते आदि का प्रबन्ध किया। उपप्रधान सुरेन्द्र लाल शर्मा, अमरजीत बडेसरा, महेन्द्र सिंह प्रेस सचिव, डा. रविन्द्र कुमार, ओमप्रकाश चैधरी के साथ ही ब्रहमदत पूर्व सचिव, पूर्व डीईओ सुभाष सामरिया, केसर सिंह एडवोकेट, पूर्व प्रधान वेदप्रकाश यादव, पूर्व सुपरिडेन्ट राजेन्द्र यादव, प्राचार्य महेन्द्र सिंह आदि रहे।

सरकार की लचर कानून व्यवस्था से अपराधियों के हौसले बुलंद: एड. प्रमोद

- भिवानी जिले में घटित मनीषा हत्याकांड पर रोष जताया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नांगल चौधरी

- नांगल चौधरी। एडवोकेट प्रमोद ताखर।

जेजेपी के हलका प्रधान एडवोकेट प्रमोद ताखर की अध्यक्षता में कार्यकर्ताओं की बैठक हुई। जिसमें प्रदेश सरकार की लचर कानून व्यवस्था पर चिंता जताई गई और भिवानी जिले में घटित मनीषा हत्याकांड पर रोष प्रकट किया। कहा कि सरकार की कथनी और करनी में फर्क होने के कारण अपराधियों में भय खत्म हो गया तथा सरेआम संगीन अपराधों को अंजाम दे रहे हैं।

उन्होंने राज्यपाल से हत्याकांड की न्यायिक जांच कराने तथा दोषियों को जल्द गिरफ्तार करने की गुहार लगाई। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार ने बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ का अभियान चलाया था, लेकिन धरातल पर व्यवस्था को नहीं बदला। अपराधियों को राजनीतिक संरक्षण मिला हुआ है, जिस कारण पुलिस सकारात्मक कार्रवाई नहीं कर पाती। हिसार के हत्याकांड की गुत्थी सुलझी नहीं उससे पहले भिवानी जिले सिंघानी गांव में मनीषा की बर्बरता पूर्वक हत्या कर दी गई। उन्होंने आशंका जताई की यह हत्या दिल्ली की निर्भया कांड जैसी प्रतीत होती है, लेकिन प्रदेश सरकार जिला पुलिस अधीक्षक का तबादला करके मामले को दबाने का प्रयास कर रही है। उन्होंने कहा कि अपराधिक वारदातें बढ़ने से बेटियों से घर से बाहर निकलना मुश्किल हो गया। माता पिता भी बेटियों को शिक्षण संस्थानों में भेजने से डरने लगे हैं। व्यापारी वर्ग को रंगदारी की धमकियां मिल रही हैं, वहीं मजदूर वर्ग भ्रष्टाचार से परेशान है। उन्होंने राज्यपाल से अपराधिक घटनाओं पर संज्ञान लेकर सरकार को सख्त हिदायत देने की गुहार लगाई है। इस मौके पर पूर्व हलका प्रधान हजारीलाल लंबोरा, कंवर सिंह, बिक्रम सिंह आदि मौजूद रहे।

नारनौल। समिति के नवनिर्वाचित पदाधिकारी व अन्य। फोटो : हरिभूमि

सर्व अनुसूचित जाति संघर्ष समिति खण्ड अटेली के प्रधान बने पूर्व कमांडेंट किशनलाल

:नारनौल। सर्व अनुसूचित जाति संघर्ष समिति के तत्वावधान में धनौंदा के प्राथमिक विद्यालय में अटेली समिति के त्रिवार्षिक खंड स्तरीय चुनाव करवाने के संबंध में समिति के प्रधान चन्दन सिंह जालवान की अध्यक्षता में बैठक का आयोजन किया गया। जिसका संचालन करते हुए समिति के महासचिव एवं कबीर सामाजिक उत्थान संस्थाए दिल्ली के वाइस चेयरमैन बिरदी चंद गोठवाल ने सभा में गत बैठक की कार्रवाई पढ़कर सुनाई। जिसका सर्वसम्मति से अनुमोदन कर दिया गया। इसके बाद गोठवाल ने सभा को सर्व अनुसूचित जाति संघर्ष समिति की ओर से अब तक किए गए कार्यों की विस्तृत जानकारी भी दी।

इसके बाद चुनाव अधिकारी एडवोकेट भीमसिंह दहिया व सहायक चुनाव अधिकारी रामकुमार ढैणवाल व प्यारेलाल चवन की अगुवाई में खण्ड अटेली के विभिन्न पदों का आम सहमति से निर्विरोध चयन कर दिया गया। जिसमें प्रमुख सलाहकार प्रभुदयाल गणियार व दयानंद सांवरिया गढ़ी, सलाहकार जगदीश प्रसाद महासर, प्रधान पूर्व कमांडेंट किशनलाल राजपुरा, उपप्रधान लक्ष्मण सिंह राजपुरा, सचिव पूर्व पार्षद अश्वनी खेड़ी, सह सचिव सुरेंद्र कुमार धनौंदा व कोषाध्यक्ष अजय कुमार अटेली को सहमति से निर्विरोध निर्वाचित

यदुवंशी सतनाली में पीटीएम आयोजित

- अभिभावकों का तिलक लगाकर स्वागत किया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सतनाली मंडी

यदुवंशी सतनाली में रविवार को अभिभावक अध्यापक बैठक का आयोजन किया गया। जिसमें विद्यालय में पढ़ने वाले विद्यार्थियों के अभिभावकों ने बढ़ चढ़कर भाग लिया। इस अवसर पर अभिभावकों का तिलक लगाकर स्वागत किया गया। कक्षा नर्सरी से 12वीं तक के विद्यार्थियों की दूसरे मासिक टेस्ट की रिपोर्ट अध्यापकों ने अभिभावकों से सांझा की।

इस अवसर पर अध्यापकों द्वारा उनके बच्चों के अच्छे गुणों को सराहा गया। वहीं उनकी कमियों को दूर करने के लिए अभिभावकों को उचित कदम उठाने की सलाह भी दी गई। विद्यालय के प्रधानाचार्य जितेंदर कुमार ने विद्यालय में पहुंचे अभिभावकों का आभार व्यक्त किया और कहा कि अभिभावकों को सम्पूर्ण हक है कि अपने बच्चे के सर्वांगीण विकास के लिए समय समय पर विद्यालय को उचित सुझाव दें। यदुवंशी ग्रुप के चेयरमैन राव बहादुर सिंह व उनके सुपौत्र तनिश राव ने विद्यालय में पहुंचे अभिभावकों का स्वागत किया। उन्होंने कहा कि अभिभावकों व अध्यापकों में तालमेल हो तो विद्यार्थी नित नए आयाम तय कर सकता है।

सतनाली मंडी। पीटीएम में भाग लेते अध्यापक अभिभावक। फोटो : हरिभूमि

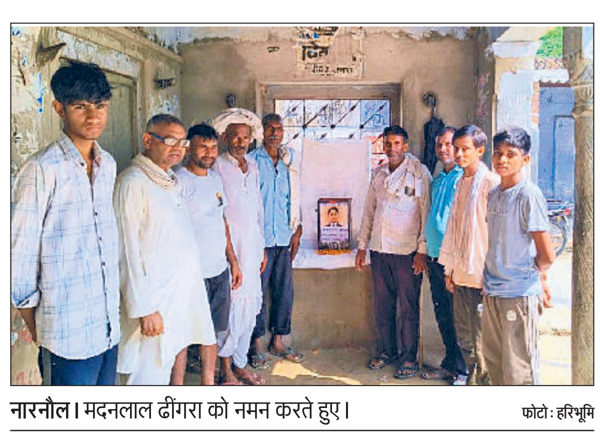

नारनौल। मदनलाल ढींगरा को नमन करते हुए। फोटो : हरिभूमि

क्रांतिकारी मदनलाल ढींगरा को किया नमन

नारनौल। महान क्रान्तिकारी शहीद मदनलाल ढींगरा के शहादत दिवस पर ऑल इंडिया डेमोक्रेटिक यूथ आर्गेनाइजेशन के तत्वावधान में गांव बिहारीपुर की धर्मशाला में शहीद मदनलाल ढींगरा की तस्वीर पर पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धांजलि अर्पित की गई। इस अवसर पर संगठन ऑल इंडिया डीवाईओ के जिला सचिव सतीश कुमार ने शहीद मदनलाल ढींगरा के बलिदान को याद करते हुए कहा कि अपने जीवन में देशभक्ति, साहस व क्रान्ति की भावना को जीवित करें। आजादी के नायकों के विचारों को आत्मसात करने का संकल्प ले, क्योंकि आज के इस दौर में आजादी आन्दोलन के गैर समझौतावादी धारा के महान क्रान्तिकारी शहीदों के आदर्श ही हमें सच्ची राह दिखा सकते हैं। इस मौके पर सुरेश शास्त्री, राजेन्द्र, प्रदीप, सीताराम, राजेश, महेश, सुरेंद्र, राजाराम, सतीश, अशोक, विकास, अमित, रतीराम, धर्मेन्द्र, रोहतास, राजपाल, भीमसिंह, सुधीर आदि मौजूद थे।

हरित वसुंधरा समिति ने पौधरोपण कर दिया पर्यावरण सुरक्षा का संदेश

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

हरियाली जीवन का आधार है व वृक्ष ही पर्यावरण की संजीवनी। इसी संकल्प को आगे बढ़ाते हुए हरित वसुंधरा आधार समिति ने ऐतिहासिक शोभा सागर तालाब परिसर में विविध प्रजातियों के 51 पौधेरोपित किए। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि कमलेश सैनी ने प्रथम पौधा लगाकर किया। उन्होंने कहा कि पौधारोपण केवल पौधे लगाने की क्रिया भर नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए जीवन का बीज बोने के समान है। उन्होंने समिति की सराहना करते हुए इसे समाज में पर्यावरणीय चेतना जगाने वाला प्रेरक कदम बताया।

नारनौल। पौधारोपण करते समिति सदस्य। फोटो : हरिभूमि

समिति के संस्थापक सदस्य हरीश यादव ने बताया कि समिति वर्षा ॠतु में प्रत्येक रविवार किसी न किसी सार्वजनिक स्थान पर पौधारोपण करती है। अब तक समिति की ओर से शहर व आसपास के क्षेत्रों में लगभग 8000 पौधों का रोपण किया जा चुका है, जो आने वाले वर्षों में पर्यावरण को संतुलित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। इस अभियान का संचालन समिति के सचिव सुरेश कुमार के कुशल नेतृत्व में हुआ। समिति के प्रधान एडवोकेट हर्ष सैनी ने कहा कि वृक्ष प्रकृति की धरोहर हैं और उनका संरक्षण प्रत्येक नागरिक का कर्तव्य है।

प्रभु भक्ति | **जन्माष्टमी पर आयोजित तीन दिवसीय प्रभात फेरी संपन्न**

नन्दोत्सव व गुगानवमी के पावन अवसर पर भक्त राधा-कृष्ण भक्ति में डूबे

जगह-जगह ठाकुर जी के स्वागत को उमड़ी भक्तों की भीड़

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

नन्दोत्सव व गुगानवमी के पावन अवसर पर शहर की प्रमुख धार्मिक एवं सामाजिक संस्था प्रभात फेरी संगठन की ओर से तीन दिवसीय प्रभात फेरी की कड़ी में रविवार को मोहल्ला ढुसरान नलापुर से 154वीं प्रभात फेरी का आयोजन किया गया। सर्वप्रथम पंडित सीताराम चौबे, मनमोहन शर्मा ने प्रभात फेरी के मुख्य यजमान डॉ. रतनलाल सैनी परिवार से ठाकुर जी व निशान का पूजन करवा तथा गीता पाठ करके प्रभात फेरी का शुभारंभ किया। शोभायात्रा में ठाकुर जी का भव्य सुन्दर विग्रह लोगों का मन आकर्षित कर रहा था। यात्रा में डीजे, ढोल नगाड़े, झांझ मंजीरे बजाकर भक्तजन नन्दकिशोर जी का स्वागत कर रहे थे और राधा नाम की मस्ती मे नाच नाच कर ठाकुर जी को रिझा रहे थे। संस्था के वरिष्ठ सदस्य संजय सैनी ने ढोलक की थाप एवं नगाड़े, मंजीरे, ढप बजा कर राधा नाम की ऐसी अलग जगाई की लोग नाचने के लिए मजबूर हो गए। घरों की छत से देख रहे लोग नीचे उतरकर ठाकुर जी का स्वागत करने लगे। सैकड़ों की तादाद में महिलाएं व पुरुष और छोटे बच्चे टोलिया बनाकर राधा नाम संकीर्तन करते हुए एक अलग ही मस्ती के साथ चल रहे थे। ठाकुर जी की यात्रा में ऐसा लग रहा था जैसे हम 84 कोस व गिरिराज जी की परिक्रमा कर रहे हो। आरती के पश्चात टॉफी व माखन मिश्री का भोग लगाकर सभी को प्रसाद वितरित किया गया।

नारनौल। प्रभात फेरी निकालते श्रद्धालु।

प्रभात फेरी का जगह-जगह पुष्पवर्षा से हुआ स्वागत

संगठन के उपप्रधान मनीन्द्र सैनी ने बताया कि तीन दिवसीय प्रभात फेरी के समापन पर संगठन ने सभी भक्तों को जन्मदिन की बधाई दी। समिति के सदस्य गोबिंद सैनी व नरेश गर्ग ने बताया कि प्रभात फेरी संगठन शहर की पहली संस्था है, जिसने राधा नाम की अलख शहर की हर गली मोहल्लों में लोगों के मन में जगा दी है और हर रविवार को महिलाओं, पुरुष व बच्चों की टोली राधे नाम संकीर्तन यात्रा में लोगों को जागरूक कर रही है। प्रभात फेरी में लोगों ने ठाकुर जी का भव्य स्वागत किया व प्रसाद बांटकर व पुष्प वर्षा करके ठाकुर जी की आरती उतारकर उनका आशीर्वाद प्राप्त किया। रास्ते में जगह जगह धर्म प्रेमी लोगों ने पुष्प वर्षा करके व प्रसाद वितरित करके ठाकुर जी का भव्य स्वागत किया।

नारनौल। गोवंश के लिए सवामणी लगाते हुए।

- कार्यक्रम का शुभारंभ गोमाता की पूजा अर्चना के साथ हुआ

गोवंश के लिए लगाई सवामणी

नारनौल। भारत विकास परिषद शाखा के तत्वावधान में गोवंश के लिए हरी सब्जी की 18वीं सवामणी का आयोजन किया गया। यह सवामणी परिषद परिवार के सम्मानित सदस्य सुनील मित्तल की ओर से उनकी भाभी पूनम मित्तल के जन्मदिन के उपलक्ष्य में श्री गोपाल गोशाला पर संपन्न हुई। कार्यक्रम का शुभारंभ गोमाता की पूजा अर्चना के साथ हुआ। इसके बाद श्रद्धालुओं ने मिलकर हरे चारे व हरी सब्जी अर्पित की। अध्यक्ष कवीन्द्र सचदेवा ने कहा कि गोमाता की सेवा करने से न केवल धार्मिक पुण्य की प्राप्ति होती है, बल्कि परिषद सदस्यों में आपसी भाईचारे व सहयोग की भावना भी प्रबल होती है। इस मौके पर नवीन गुप्ता, मुकेश जैन, अशोक जांगिड़, कृष्ण गोयल, नरोतम सोनी, देवीप्रकाश जांगिड़, सुभाष कश्यप, सरोज कश्यप, सुभाष वर्मा, सुनील मित्तल, धैर्य मित्तल, वेदपकाश बंसल आदि मौजूद थे।

यादव कल्याण सभा ने किया कोरियावास मेडिकल कॉलेज का नामकरण, राव तुलाराम के नाम पर करने का प्रस्ताव पारित

समाज में शहीदों का स्थान सर्वोच्च है, शहीद व साधु संत समकक्ष होते हैं: महंत बालकनाथ

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

अस्थल बोहर मठ के मठाधीश एवं तिजारा के विधायक मंहत बालकनाथ ने कहा कि समाज में देश के लिए खुद को न्यौछावर करने वाले शहीदों का स्थान सर्वोच्च है, साधु संत और शहीद समकक्ष ही हैं। वे यादव कल्याण सभा में श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के अवसर पर आयोजित समारोह को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर कोरियावास मेडिकल कॉलेज का नामकरण राव तुलाराम के नाम पर करने का प्रस्ताव सर्वसम्मति से पारित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता पूर्व मंत्री एवं विधायक ओमप्रकाश यादव ने की। समारोह का शुभारंभ महंत बालकनाथ ने श्रीकृष्ण के चित्र के सामने दीप प्रज्ज्वलित कर किया।

इस अवसर पर उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए महंत बालकनाथ ने कहा कि जन्माष्टमी हमें सिखाती है कि अच्छाई हमेशा बुराई पर विजय पाती है। हमें अपने जीवन में सत्य, धर्म और सकारात्मक कर्म का पालन करना चाहिए। जन्माष्टमी केवल एक त्योहार नहीं, बल्कि धर्म, साहस और भक्ति का प्रतीक है। इस पावन दिन पर हमें श्रीकृष्ण के आदर्शों को अपनाकर जीवन को श्रेष्ठ बनाने का संकल्प लेना चाहिए। उन्होंने कहा कि समाज व देश के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर करना एक महान कर्म है। हमें ऐसे शहीदों की यादगार बनाकर उनके योगदान को याद करना चाहिए, ताकि आने वाली पीढ़ियां उनसे प्रेरणा ले सकें।

नारनौल। कार्यक्रम में महंत बालकनाथ को स्मृति चिह्न भेंट करते हुए।

नामकरण का विरोध करने वालों का किया जाए बहिष्कार : विधायक

इस अवसर वपर समारोह को संबोधित करते हुए विधायक एवं यादव कल्याण सभा के अध्यक्ष ओमप्रकाश यादव ने कहा कि जन्माष्टमी केवल एक त्योहार नहीं, बल्कि धर्म, साहस और भक्ति का प्रतीक है। इस पावन दिन पर हमें श्रीकृष्ण के आदर्शों को अपनाकर जीवन को श्रेष्ठ बनाने का संकल्प लेना चाहिए। हमें श्रीकृष्ण के जीवन से निःस्वार्थ सेवा और सच्चाई की प्रेरणा लेनी चाहिए। उन्होंने कहा कि शहीदों के सम्मान के लिए सभी लोगों को एकजुट होना चाहिए। उन्होंने कहा कि कोरियावास मेडिकल कॉलेज का नाम शहीद राव तुलाराम के नाम पर किया जाना शहीदों का सम्मान होगा। विधायक ओमप्रकाश यादव ने कहा कि समाज के जो लोग इस नामकरण का विरोध कर रहे हैं, उनका सामाजिक बहिष्कार किया जाना चाहिए। समारोह में प्रस्ताव रखा गया कि कोरियावास मेडिकल कॉलेज का नामकरण राव तुलाराम के नाम पर किया जाए। जिसे सर्वसम्मति से उपस्थित लोगों द्वारा पारित किया गया।

कार्यक्रम के दौरान ये रहे मौजूद

उन्होंने कहा कि राव तुलाराम की कर्मस्थली नारनौल में स्थापित किए जा रहे मेडिकल कॉलेज कोरियावास का नाम अमर शहीद राव तुलाराम के नाम पर रखा जाना चाहिए। इस अवसर पर जसवंत प्रभाकर, स्वामी हंसमुनि, तेजप्रकाश यादव, वासुदेव यादव, अनिल इंजीनियर, ओमप्रकाश एडवोकेट, संजय पटीकरा, वैद्यकिशन वशिष्ठ, राव होशियार सिंह, राजेंद्र यादव बिल्लू, बंटी ठेकेदार, सत्यवान ठेकेदार आदि उपस्थित थे।

खबर संक्षेप

समदर्शी योग आश्रम में मनाया स्थापना दिवस

कनीना। समदर्शी योगआश्रम का 33वां स्थापना दिवस समारोह पूरे उत्साह के साथ मनाया गया। इस समारोह में ध्वजारोहण करने के बाद वृंदावन से आए बाल ब्रह्मचारियों ने वेदों मन्त्र उच्चारण के साथ हवन यज्ञ में आहुति डाली। समारोह का आयोजन सनातन धर्म उत्थान समिति के राष्ट्रीय अध्यक्ष स्वामी आत्मानंद योगतीर्थ के सानिध्य में सम्पन्न हुआ। उन्होंने कहा कि समाज में अनेक विकृतियां पनप रही हैं, जिन पर अंकुश लगाने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि नित्य पूजा अर्चना करने तथा संतों के सत्संग में जाने में बहुत हद तक व्याधियों का क्षय हो जाता है। ईश्वर निराकार तथा निर्विवाद है।

नारनौल। शिविर में मरीजों की जांच करते चिकित्सक।

निःशुल्क चिकित्सा शिविर का 200 मरीजों ने उठाया स्वास्थ्य लाभ

नारनौल। समाजसेवा व जनकल्याण की परंपरा को आगे बढ़ाते हुए अग्रवाल वैश्य समाज की ओर से निःशुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। जैन मांगलिक भवन के सहयोग व सवाई मानसिंह चिकित्सालय जयपुर के विशेषज्ञ चिकित्सकों के मार्गदर्शन में जैन मांगलिक भवन में आयोजित इस शिविर में 200 के करीब मरीजों ने अपना रजिस्ट्रेशन करवा स्वास्थ्य जांच करवाई। इस अवसर पर डीएसपी सुरेश पंघाल बतौर मुख्यातिथि थे। अध्यक्षता अग्रवाल वैश्य समाज के प्रदेश महासचिव बलराम गुप्ता ने की। विशिष्ट अतिथि बजरंग लाल अग्रवाल चेयरमैन हरियाणा व्यापार मंडल थे। शिविर में एसएमएस हॉस्पिटल जयपुर के प्रतिष्ठित एवं अनुभवी न्यूरोसर्जन, ब्रेन एवं स्पाइन रोग विशेषज्ञ चिकित्सक डॉ. सुरेन्द्र सैनी, ईएनटी विशेषज्ञ डॉ. पंकज गर्ग, हड्डी रोग एवं जोड़ प्रत्यारोपण विशेषज्ञ डॉ. सचिन शर्मा ने अपनी सेवाएं दी।

दुकानदारों व रेहड़ी चालकों ने किया 10 फीट तक का कब्जा

अतिक्रमण के कारण दिन-प्रतिदिन सिकुड़ती जा रही हैं शहर की सड़कें

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

शहर के मुख्य बाजार की सड़के दुकानदारों द्वारा किए गए अतिक्रमण के कारण दिन-प्रतिदिन सिकुड़ती जा रही हैं। सड़कों पर दुकानदारों व रेहड़ी चालकों ने 5 से 10 फीट तक का कब्जा किया हुआ है। इसके बाद कुछ जगह बचती भी है तो उस जगह पर लोग गलत तरीके से वाहन खड़ा कर देते हैं। ऐसे में शहर की मुख्य सड़कों पर वाहनों की लंबी कतारें लग जाती है तथा पैदल राहगीरों के गुजरने के लिए भी रास्ता शेष नहीं बचता।

शहर में रेलवे रोड, आईटीआई रोड व सिनेमा रोड हो या फिर बाजार, हर जगह अतिक्रमण से जाम की समस्या है। दुकानदार सामान को दुकान के कई फुट बाहर तक लगा लेते हैं। इसके बाद जब ग्राहक दुकान पर खड़ा होता है, वह भी स्थान घेरता है। मार्ग के दोनों ओर अतिक्रमण के चलते सड़क काफी संकरी हो जाती है। ऐसे में राहगीरों एवं वाहनों के निकलने को स्थान नहीं मिलता और जाम के हालात बन जाते हैं। शहर के सब्जी मंडी रोड व शॉपिंग कॉम्पलैक्स में अतिक्रमण की भरमार है। ऐसे में यहां राहगीरों को चलने के लिए भी रास्ता नहीं मिल पाता। कई बार अतिक्रमण हटाओ अभियान चलाए गए। अभियान के दौरान तो अतिक्रमण हट जाता है लेकिन अभियान थमते ही फिर से अतिक्रमणकारियों का कब्जा हो जाता है। शहर में सिनेमा रोड, रेलवे रोड, 11 हट्टा बाजार, सब्जी मंडी रोड, आईटीआई रोड, सरार्फा बाजार, माता मसानी चौक सहित अन्य स्थानों पर भी यही स्थिति रहती है।

हेंद्रगढ़। शहर के बालाजी चौक के समीप लगा जाम। फोटो : हरिभूमि

शहर में पार्किंग व्यवस्था न होना भी बड़ी

सड़कों पर गाड़ी खड़ी करना लोगों की लापरवाही नहीं, बल्कि मजबूरी है। क्योंकि शहर में नगर पालिका के पास पार्किंग के लिए जमीन नहीं है। अब सवाल ये उठता है कि यदि लोग बाजारों में गाड़ियों को खड़ी ना करें तो कहां करें। शहर में पार्किंग की सुविधा ही उपलब्ध नहीं है। ऐसे में ग्रामीण क्षेत्र से आए ग्रामीण लोग अपने वाहनों को खरीददारी के दौरान सड़कों पर खड़ा कर चले जाते हैं, जिस कारण आधी से ज्यादा सड़क वाहनों के कारण अवरुद्ध हो जाती है।

धड़ल्ले से लगाया

शहर की शायद ही ऐसी कोई सड़क मार्ग होगा, जहां अतिक्रमण न हो। इससे यातायात बाधित होता है। त्योहार के समय तो हालत यह हो जाते हैं, कि सड़कें संकरी हो जाती हैं और लोग पैदल भी नहीं निकल पाते। कई बार प्रशासन ने कार्रवाई करते हुए सड़क पर सामान रखने वालों पर जुमार्ना भी किया, फिर सुधार नहीं हुआ। शहर के सब्जी मंडी रोड, शॉपिंग कॉम्पलैक्स, रेलवे रोड, 11 हट्टा बाजार इत्यादि सड़क मार्गों पर दुकानदारों ने धड़ल्ले से सामान लगाया हुआ है। जिसके बाद रोड सिकुड़ कर आधा भी नहीं बचा है। शेष जगह पर रेहड़ी चालक व गाड़ियां

रास्ते में जल भराव होने से जीवन बना नरकीय

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

गांव कारोली के आम रास्ते में पानी भरने से न केवल महिलाओं को, बल्कि आमजन को भी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। मामले के संबंध में ग्रामीणों के द्वारा इसकी सूचना ग्राम सरपंच को दी, लेकिन इस समस्या का समाधान नहीं हो पाया। इस विषय मे ग्रामीण लीच्छा राम व कृष्ण के साथ अन्य ग्रामीणों का कहना है कि यह रास्ता गांव कारोली से गांव कोरियावास को जाता है, जो कि पिछली योजना मे सरकारी बजट के अनुसार सरपंच के द्वारा बनाया गया था, लेकिन हाल में यह सब जर्जर हो चुका है। यहां तक की इस रास्ते में बरसात के पानी के साथ आम घरों का पानी भी यहां पर आकर इक्ट्ठा हो जाता है। इस पानी के खड़े रहने से इसमें दुर्गंध आती है तथा मच्छर भी पनपने लग रहे हैं। यहां से गुजरने वाले लोगों को इस गंदे पानी व कीचड़ युक्त गंदगी से गुजरना पड़ता है। लोगों का कहना है कि इस गंदगी से मक्खी व मच्छर पनप गए हैं, जिससे मच्छरजनित बीमारियां होने का अंदेशा है। वहीं गांव में जगह–जगह गंदगी के ढेर लगे हुए हैं। एकतरफ सरकार कहती है कि स्वच्छता ही जीवन है। वहीं दूसरी तरफ इन हालातों के कारण यहां के लोगों को नारकीय जीवन जीने को मजबूर होना पड़ रहा है।

बीडीपीओ नवदीप पहुंचे मौके पर

जब मामले की जानकारी निजामपुर खंड अधिकारी नवदीप को लगी तो वह मौके पर पहुंचे तथा समस्या के प्रति ग्रामीणों से रूबरू हुए। साथ ही महिला सरपंच के पति को मौके पर बुलाया गया तथा सारी स्थित का जायजा लिया गया। ग्रामीणों की समस्या को देखते हुए बीडीपीओ नवदीप ने इस समस्या का जल्दी ही समाधान करवाने का आश्वासन दिया है। बीडीपीओ नवदीप ने बताया कि मामले की जानकारी उन्हें शनिवार को ही मिली थी। जहां मौके पर आकर स्थित के बारे में अवगत हुए हैं। जल्दी ही ग्रामीणों की इस समस्या का समाधान करवाया जाएगा।

आरपीएस ग्रुप का खेल आयोजन 27 व 28 को

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कनीना

कनीना में आगामी 28 अगस्त को आरपीएस ग्रुप के चेयरमैन एडवोकेट ओमप्रकाश यादव की स्मृति में दो दिवसीय खेल महाकुंभ का आयोजन किया जाएगा। इस बारे में आरपीएस ग्रुप के सीईओ मनीष राव ने कनीना में आयोजित पत्रकारों को बताया कि 27 व 28 अगस्त को आयोजित होने वाली प्रतियोगिता के लिए ऑनलाइन व ऑफलाइन पंजीकरण शुरू कर दिए गए हैं, जो 26 अगस्त तक चलेंगे। इस प्रतियोगिता में केवल महेंद्रगढ़ जिले के खिलाड़ी हिस्सा लेंगे। जिन्हें नकद पुरस्कार प्रदान किए जाएंगे। उन्होंने बताया कि 27 अगस्त को महेंद्रगढ़ से नारनौल तक 21 किलोमीटर तक मैराथन आयोजित की जाएगी। जिसमें प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले प्रतिभागी को 21 हजार व द्वितीय स्थान प्राप्त करने वाले को 15 हजार तथा तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले प्रतिभागी को 11 हजार रुपये का पुरस्कार प्रदान किया जाएगा। 28 अगस्त को कनीना में वॉलीबॉल, दौड़ व एथलेटिक्स प्रतियोगिता का आयोजन होगा। इसी दिन रक्तदान शिविर का भी आयोजन किया जाएगा। इस मौके पर अमित यादव नम्बरदार, राकेश यादव, देवेंद्र यादव आदि मौजूद थे।

कनीना। खेल महाकुंभ के बारे में पत्रकारों को जानकारी देते सीईओ मनीष राव व अन्य। फोटो : हरिभूमि

आयुर्वेदिक औषधियों व धार्मिक अनुष्ठानों के सूत्रधार होते हैं चंदन के पेड़: सत्यपाल

- दक्षिण हरियाणा की मिट्टी में चंदन के पेड़ों को ग्रोथ देने वाले पौषक तत्व मौजूद

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नांगल चौधरी

जन जागृति मंच के संस्थापक एवं उच्च न्यायलय के एडवोकेट सत्यपाल यादव ने ढोसी के पहाड़ पर चंदन के पौधे लगाए हैं। इसके बाद उन्होंने युवाओं को नियमित रूप से सिंचाई तथा देखभाल करने के लिए युवाओं को जिम्मेवारी सौंपी। इस दौरान उन्होंने आयुर्वेद व धर्मिक अनुष्ठानों में चंदन की उपयोगिता से अवगत कराया।

उन्होंने कहा कि पौधे ही प्रकृति का श्रृंगार होते हैं, लेकिन चंदन के पेड़ों से मनुष्य जीवन सुगम तथा धार्मिक अनुष्ठान संपूर्ण हो पाते हैं। बावजूद चंदेन के पौधारोपण में लोगों का रूझान नहीं, जिस कारण आयुर्वेदिक औषधियों की किल्लत रहनी आरंभ हो गई है। दक्षिण हरियाणा की मिट्टी में चंदन के पेड़ों को ग्रोथ देने वाले पौषक तत्व होते हैं। पौधारोपण करने के बाद नियमित रूप से सिंचाई तथा देखभाल करने की जरूरत होती है। उन्होंने कहा कि पर्यावरण में प्रदूषण बढ़ने से स्कीन व एलर्जी के मरीजों की संख्या बढ़नी आरंभ हो गई। बचाव के लिए चंदन का लेप करना लाभाकारी साबित होता है। चंदन में सूजन रोधी गुण होते हैं, जो गठिया, जोड़ों का दर्द, मांसपेशियों के दर्द में राहत देता है। बुखार, खांसी व पाचन संबंधी बीमारियों के इलाज मे चंदन दवा का उपयोग किया जाता है। उन्होंने कहा कि जन जागृति मंच ने प्रत्येक गांव में चंदन के पौधारोपण करने की योजना बनाई है। इसके बाद उन्होंने पहाड़ पर चंदन के 21 पौधे लगाए हैं तथा सेमिनार लगाकर लोगों को पौधारोपण के लिए प्रेरित किया। इस मौके पर रिटायर्ड थानेदार वासुदेव, सत्यवीर आर्य, अशोक कुमार, बिक्रम सिंह आदि मौजूद रहे।

नांगल चौधरी। ढोसी के पहाड़ पर चंदन के पौधों का रोपण करते एडवोकेट सत्यपाल यादव।

एसडी स्कूल में विद्यार्थियों ने प्रस्तुत किए देशभक्ति से ओतप्रोत कार्यक्रम

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कनीना

एसडी विद्यालय ककराला में 79वां स्वतन्त्रता दिवस धूमधाम से मनाया गया। विद्यालय के चेयरमैन जगदेव यादव राष्ट्रीय ध्वज फहराया। इसके बाद एनसीसी कैडेटों की टुकड़ी ने मार्च पास्ट करते हुए राष्ट्रीय ध्वज को सलामी दी गई। तत्पश्चात विद्यार्थियों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए। जिसमें छात्र मधुर ने सलाम उन शहीदों को जो खो गए, घनश्याम ने तेरी बंसी पर नृत्य कर सभी को मन्त्र मुग्ध कर दिया। वहीं ऑपरेशन सिन्दूर के वकतव्य ने भारत के इतिहास से लेकर भविष्य की संभावनाओं को प्रस्तुत किया।

चेयरमैन ने आजादी के अमृत महोत्सव कार्यक्रम पर प्रकाश डालते हुए कहा कि आज पूरा विश्व भारत की तरफ देख रहा है। 21वीं शदी भारत की है, इसलिए प्रत्येक युवा को कर्मयोगी बनना होगा। भारत एक युवा देश है, इसलिए भारत के युवाओं को सही दिशा के चयन करने की आवश्यकता है। उसे परिश्रम व मेहनत के बल पर देश को दुनिया की सर्वोत्तम शक्ति बनाना है। इस मौके पर प्राचार्य ओमप्रकाश, उपप्राचार्य पूर्णसिंह, राजेंद्र सिंह, सीईओ आरएस यादव, स्नेह यादव, ईश्वर सिंह, जोगेन्द्र सिंह, प्रियंका यादव, बिन्दू उपस्थित थे।

कनीना। एसडी स्कूल ककराला में ध्वजारोहण करते चेयरमैन जगदेव यादव व अन्य। फोटो : हरिभूमि

मंडी अटेली। एथलीट प्रतियोगिता में कांस्य पदक विजेता सिमरन के साथ ललित डाबड़ व अन्य। फोटो : हरिभूमि

जींद में चल रही एथलीट प्रतियोगिता में कांटी सिमरन ने कांस्य पदक जीता

हरिभूमि न्यूज ▶▶| मंडी अटेली

जींद मे चल रही दसवीं जूनियर हरियाणा एथलेटिक्स प्रतियोगिता में अटेली क्षेत्र के गांव कांटी की सिमरन ने कड़े मुकाबले के बाद कांस्य पदक जीता। सिमरन पहले दूसरे स्थान के बहुत करीब थी, किन्तु कांटे की टक्कर के मुकाबले के चलते तीसरे स्थान से संतोष करना पड़ा। सिमरन अभी 15 साल की है और पिछले दो साल से रेजांगला स्पोर्ट्स अकादमी मे उनके निजी कोच ललित डाबड़ के सानिध्य में दिन रात कड़ी मेहनत कर रही है। सिमरन ने बताया कि वो पहले भी कई बार बड़ी प्रतियोगिताओं में जीत के बहुत करीब पहुंच चुकी थी, किन्तु कोई भी पदक जीतने मे सफल नहीं हो पा रही थी, पर इस बार उनके कोच ललित डाबड़ के लगातार मार्गदर्शन और कठिन परिश्रम की बदौलत पहली बार राज्य स्तरीय एथलेटिक्स प्रतियोगिता में मेडल का स्वाद चखने में कामयाबी मिली है।

नेकी की दीवार नीड़ी हेल्प ग्रुप ने लगाया रक्तदान कैम्प, 45 यूनिट एकत्रित

रक्त किसी फैक्ट्री में नहीं इंसान के शरीर में बनता है : वैद्यकिशन

- रक्तदान शिविर में 45 युवाओं ने स्वैच्छिक रक्तदान किया
- रक्तदाताओं को संस्था के पदाधिकारियों ने पटका पहनाकर कर किया सम्मान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

नेकी की दीवार नीड़ी हेल्प संस्था के संस्थापक मनीष गोगिया के पुत्र राघव गोगिया के 18वें जन्मदिन पर ट्रॉमा सेंटर नागरिक अस्पताल में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। इस रक्तदान शिविर में 45 युवाओं ने स्वैच्छिक रक्तदान किया। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि प्रमुख समाजसेवी राघव चौधरी रहे। विशिष्ट अतिथि जिला अध्यक्ष वैद्यकिशन वशिष्ठ, जिला महासचिव सुरेंद्र चौधरीए,राकेश यादव चेयरमैन यूएसएसएल अकेडमी, एडवोकेट गिरीबाला यादव थी। अध्यक्षता धर्मचन्द छाबड़ा संरक्षक अरोड़ा सभा ने की।

इस अवसर पर मदनलाल गोगिया ने कहा कि स्वस्थ युवाओं को तीन महीने में रक्तदान अवश्य करना चाहिए। कार्यक्रम संयोजक मनीष गोगिया थे।

डॉ. शिवकुमार की अगुवाई में रक्तदान शिविर का आयोजन हुआ। वहीं आए सभी अतिथियों को संस्था की ओर से पटका पहनाकर व स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया गया। विशेष आमंत्रित अतिथियों में सिविल सर्जन डॉ. अशोक कुमार, विपिन शर्मा, दलजीत गौतम शास्त्री, भूपसिंह, गजेंद्र चौधरी, पवन यादव बाछौदिया, एडवोकेट राजकुमार चौधरी थे। कार्यक्रम में पहुंचे अतिथियों ने सभी युवाओं से अपील की कि जहां भी इस तरह के रक्तदान शिविर लगते है, उनमें बढ़ चढ़कर भाग लेना चाहिए और अपनी इच्छानुसार रक्तदान भी करना चाहिए। वहीं वैद्यकिशन वशिष्ठ ने कहा कि रक्त किसी फैक्ट्री में नहीं बनता, यह तो इंसान के शरीर ही बनता है। मनीष गोगिया ने आए हुए सभी अतिथियों व सहयोगियों का धन्यवाद किया। शिविर में 70 लोगों ने रजिस्ट्रेशन करवाया, जिनमें से 45 युवाओं ने रक्तदान किया।

नारनौल। शिविर में रक्तदान करते हुए। फोटो : हरिभूमि

शिविर के दौरान ये रहे मौजूद

इस मौके पर मनीष गर्ग, कुनाल शुक्ला, मनीष गोगिया, मदनलाल गोगिया, वीरेंद्र दिवान, संदीप जैन, गजेंद्र चौधरी, देव शर्मा, डॉ. प्रदीप कुमार, नवीन सेकवाल, चरणजीत बडेसरा, डॉ. शिवकुमार, सुनील गोयल, जयप्रकाश गोयल, विजय रहीश, दुलीचन्द शर्मा, जश्न सरदार, हर्ष यादव, हर्षित गोगिया आदि मौजूद थे। कैम्प में नागरिक अस्पताल ब्लड बैंक की टीम का विशेष सहयोग रहा। कैम्प में कुनाल शुक्ला, जश्न, हर्ष आदि युवाओं ने प्रथम बार रक्तदान किया। वहीं महिलाओं ने भी रक्त किया।